इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेत्ति, सर्वं स वेत्ति"।।

दावा

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

सम्पादक - दीपक भाई बुद्धदेव

वर्ष- 45 | अंक - 241 | राजनांदगांव, रविवार 19 जुलाई 2026 | पृष्ठ - 8 | मूल्य - 4.00 रुपए

छत्तीसगढ़ विधानसभाः सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव गिरा, 14:30 घंटे चली चर्चा, गरजे सीएम साय, बोले- खोखली और राजनीतिक नौटंकी है अविश्वास प्रस्ताव, 3 करोड़ जनता का भरोसा हमारे साथ

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के पांचवें और आखिरी दिन करीब 14 घंटे 30 मिनट चली चर्चा के बाद साय सरकार के खिलाफ कांग्रेस का अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से गिर गया। छत्तीसगढ़ विधानसभा में विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर जवाब देते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कांग्रेस पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। लगभग पूरे भाषण के दौरान उन्होंने कांग्रेस सरकार के पांच वर्षों और अपनी सरकार के ढाई वर्षों का तुलनात्मक लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव पूरी तरह निराधार, तथ्यहीन और राजनीतिक हताशा का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रस्ताव सरकार के खिलाफ नहीं, बल्कि प्रदेश की तीन करोड़ जनता के जनादेश के खिलाफ है, जिसने लगातार चुनावों में भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर विश्वास जताया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस जिस सरकार पर अविश्वास जता रही है, उसी सरकार के पक्ष में जनता ने विधानसभा, लोकसभा और नगरीय निकाय चुनावों में लगातार अपना विश्वास व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि जनता ने कांग्रेस को विपक्ष में बैठाने का निर्णय लिया है और अब वही कांग्रेस जनता के निर्णय पर सवाल उठा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस दल पर जनता ने स्वयं स्थायी अविश्वास जता दिया हो, उसे जनता के विश्वास वाली सरकार पर उंगली उठाने का नैतिक अधिकार नहीं है।

मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में कांग्रेस सरकार पर वादाखिलाफी और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि शराबबंदी, बेरोजगारी भत्ता, महिलाओं को आर्थिक सहायता और अनेक चुनावी वादे पूरे नहीं किए गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल की पहचान शराब घोटाला, कोयला घोटाला, डीएमएफ घोटाला, राशन घोटाला, महादेव एप घोटाला और पीएससी भर्ती विवाद जैसे मामलों से हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने सत्ता संभालते ही पीएससी मामले की जांच सीबीआई को सौंपकर युवाओं का विश्वास लौटाने का काम किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने ढाई वर्षों में मोदी की गारंटी को धरातल पर उतारा है। किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी, दो वर्षों का बकाया बोनस, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना का तेजी से क्रियान्वयन, गरीब परिवारों को पक्के मकान, महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सरकार की प्राथमिकताओं (शेष पृष्ठ 6 पर...)

अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में भूपेश बघेल का आरोप- 'अदृश्य शक्ति' के इशारे पर चल रही है सरकार

रायपुर। विधानसभा मानसून सत्र के अंतिम सदन में विपक्ष ने भाजपा सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाकर 136 बिंदुओं पर हमला बोला. पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सिलसिलेवार हमला बोलते हुए कहा कि ढाई साल में सरकार हर मोर्चे पर फेल रही है. उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार अदृश्य शक्ति चला रही है.

करीब एक घण्टे तक दिए गए भाषण की शुरुआत भूपेश बघेल ने अजय चंद्राकर की ओर से नेता प्रतिपक्ष पर लगाए उस आरोप के साथ कि, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह झाड़ू लगाने को तैयार हैं। बगैर सोनिया गांधी,राहुल गांधी का नाम लिए बगैर भाषण नहीं होता। सोनिया जी इटली से आई और भारत की

होकर रह गई हमे इस पर गर्व है लेकिन आप जिस शुचिता की बात करते हैं इसलिए आपको ये जानना चाहिए कि गोलमेज के सम्मेलन में मुंजे भी गए थे और वो सीधे भारत नहीं आए इटली होकर आए। वहाँ उन्होंने मुसोलिनी से राष्ट्रवाद सीखा और इटली से वो ड्रम लेकर आए जो आरएसएस के लोग बजाते हैं। आपकी पहचान, संस्कृति और प्रेरणा मुसोलिनी से ही है। भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने टिप्पणी कर कहा- मुंजे का आरएसएस से क्या संपर्क था? इटली से आप जुड़े हैं दुनिया को क्यों जोड़ रहे हैं। इस पर भूपेश बघेल ने कहा कि यही तो आरएसएस है जो जब चाहे तब लोगों को अपना बना लेती है और बाद में मुँह मोड़ लेती है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि अदृश्य शक्ति है जो सरकार बनने के पहले ही छत्तीसगढ़ को चलाना शुरू कर दिया था। किसके इशारे पर सरकार चल रही है। भाजपा विधायक सुनील सोनी ने कहा कि मनमोहन सिंह जब प्रधानमंत्री थे तब सरकार कौन चलाता था। इस पर भूपेश बघेल ने (शेष पृष्ठ 6 पर...)

उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका, 6 बागी सांसदों के शिंदे गुट में शामिल, लोकसभा स्पीकर ने दी मान्यता

नई दिल्ली। उद्धव ठाकरे की शिवसेना छोड़ा एकनाथ शिंदे साथ आने वाले 6 सांसदों को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने मान्यता दे दी है। यह उद्धव ठाकरे के लिए सियासी तौर पर बड़ा झटका माना जा रहा है। शिवसेना यूबीटी के 6 सांसदों के शिंदे गुट में आने से महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक एकनाथ शिंदे की ताकत में इजाफा हुआ है।

लोकसभा के सदस्य बने रहेंगे सांसद

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला द्वारा उद्धव ठाकरे गुट के 6 बागी सांसदों के शिंदे गुट में शामिल होने को मान्यता मिलने का बाद सभी सांसद अपने पद पर बने रहेंगे। दल-बदल विरोधी कानून के तहत लोकसभा में अयोग्य होने के बचने के लिए बागी गुट को 9 में 6 सासंदों या दो-तिहाई के समर्थन की जरूरत थी। शिंदे गुट में एक साथ 6 सांसदों के आने से सभी सांसदों ने यह बाधा पहले ही पार कर ली थी। इसके साथ ही शिवसेना शिंदे गुट के लोकसभा में अब 13 सांसद हो गए हैं। वहीं उद्धव ठाकरे के गुट में सिर्फ 3 सांसद बचे हैं।

22 जून को शिवसेना में शामिल हुए थे छह सांसद

आपको बता दें कि 22 जून को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसद शिंदे गुट में शामिल हुए थे। इनमें संजय हरिभाऊ जाधव, भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे, ओमप्रकाश (शेष पृष्ठ 6 पर...)

टीएमसी के 20 बागी सांसदों को लोकसभा में अलग बैठने की मंजूरी, सर्वदलीय बैठक के लिए भी बुलाया गया

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से अलग होकर नेशनलिस्ट सिटीजंस पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हुए 20 बागी सांसदों को सदन में अलग बैठने की मंजूरी दे दी है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इन बागी सांसदों को संसद के मानसून सत्र से पहले होने वाली सर्वदलीय बैठक के लिए भी आधिकारिक रूप से आमंत्रित किया है।

बागी सांसदों पर अभी निर्णय नहीं

स्पीकर ने अभी तक टीएमसी के बीस बागी सांसदों के एनसीपीआई में शामिल होने की अर्जी पर निर्णय नहीं किया है। वहीं एनसीपीआई के नेता के तौर पर सुदीप बंदोपाध्याय और चीफ व्हिप के तौर पर काकोली घोष को कल होने वाली सर्वदलीय बैठक में आमंत्रित किया गया है।

लोकसभा स्पीकर से किया था अनुरोध

टीएमसी के कुल 28 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसदों ने खुद को एक पंजीकृत क्षेत्रीय दल, नेशनलिस्ट सिटीजंस पार्टी ऑफ इंडिया में विलय करने का दावा किया है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने इन 20 सांसदों के अनुरोध को स्वीकार करते हुए सदन में बैठने की अलग व्यवस्था को मंजूरी दी है। इस नए गुट का नेता सुदीप बंदोपाध्याय को बनाया गया है, जबकि डॉ. काकोली घोष को पार्टी का चीफ व्हिप नियुक्त किया गया है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मानसून सत्र से पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के लिए इन बागी सांसदों को आधिकारिक पत्र भेजा है। मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेगा, जिसमें सभी दलों को विधायी कार्यों और प्रमुख मुद्दों पर चर्चा के लिए बुलाया गया है। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

युद्धविराम समझौते पर ईरान का यू-टर्न, सभी शर्तों को किया रद्द, तनाव बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ समझौते को खत्म घोषित करने के बाद ईरान ने अमेरिका के साथ युद्धविराम समझौते में तय शर्तों पर रोक लगा दी है। साइन किए गए इस समझौते का मकसद वॉशिंगटन और तेहरान के बीच तनाव कम करना था।

इसका मकसद युद्धविराम लागू करना, होर्मुज जलडमरूमध्य से कमर्शियल जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और प्रतिबंधों में ढील व ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भविष्य की बातचीत के लिए एक रूपरेखा तैयार करना था। दोनों देशों द्वारा एक-दूसरे पर अपने वादों को पूरा न करने का आरोप लगाने के बाद यह समझौता जल्द ही मुश्किल में पड़ गया। ईरान की यह घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के कुछ दिनों बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि वॉशिंगटन अब इस समझौते को प्रभावी नहीं मानता। नाटो शिखर सम्मेलन से पहले ट्रंप ने कहा, कि मेरे हिसाब से यह खत्म हो चुका है।

मैं उनसे कोई लेन-देन नहीं करना चाहता। उन्होंने ईरान के नेतृत्व की आलोचना करते हुए कहा, वे घटिया लोग हैं। वे बीमार मानसिकता वाले लोग हैं। उनका नेतृत्व भी बीमार मानसिकता वाले लोग ही कर रहे हैं। जहां तक मेरी बात है, उनसे निपटना सिर्फ समय की बर्बादी है। व्हाइट हाउस ने ईरान पर होर्मुज जलडमरूमध्य में कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाकर और क्षेत्रीय स्थिरता को कमजोर करके रुख का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। जबकि, तेहरान ने आरोप लगाया है कि अमेरिका (शेष पृष्ठ 6 पर...)

172 करोड़ का ओवरटाइम घोटाला: CSMCL के पूर्व एमडी अरुणपति त्रिपाठी गिरफ्तार, 20 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड (सीएसएमसीएल) में कथित 172 करोड़ रुपये के ओवरटाइम भुगतान घोटाले की जांच में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) ने तत्कालीन प्रबंध संचालक (एमडी) अरुणपति त्रिपाठी को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें 17 जुलाई को हिरासत में लिया गया था और शनिवार को विशेष न्यायालय में पेश किया गया। अदालत ने उन्हें 20 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

जांच एजेंसियों का मानना है कि पूछताछ के दौरान भुगतान स्वीकृति की प्रक्रिया, कथित कमीशन नेटवर्क और इस मामले से जुड़े अन्य अधिकारियों की भूमिका से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकती हैं।

ईडी की कार्रवाई के बाद शुरू हुई जांच

इस मामले की शुरुआत 29 नवंबर 2023 को हुई, जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) रायपुर ने तीन लोगों के पास से 28.80 लाख रुपये नकद बरामद किए। इसके बाद ईडी ने इस संबंध में राज्य शासन को जानकारी भेजी। इसी आधार पर ईओडब्ल्यू- एसीबी ने एफआईआर दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू की। जांच के दौरान यह सामने आया कि वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच कर्मचारियों के ओवरटाइम, बोनस, अतिरिक्त चार कार्यदिवस और सर्विस चार्ज के नाम पर मैनपावर एजेंसियों को नियमों के विपरीत भुगतान किए गए।

182.98 करोड़ रुपये अतिरिक्त भुगतान का आरोप

जांच एजेंसियों के अनुसार संबंधित अवधि में कुल 182.98 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भुगतान किया गया। इसमें लगभग 101.20 करोड़ रुपये ओवरटाइम, 12.21 करोड़ रुपये बोनस, 54.46 करोड़ रुपये अतिरिक्त चार कार्यदिवस और 15.11 करोड़ रुपये सर्विस चार्ज के रूप में जारी किए गए। आरोप है कि इस राशि का एक बड़ा हिस्सा कथित कमीशन के तौर पर एक सिंडिकेट के माध्यम से विभिन्न लोगों तक पहुंचाया गया। फिलहाल एजेंसियां इस पूरे वित्तीय प्रवाह और भुगतान प्रक्रिया की विस्तार से जांच कर रही हैं। ईओडब्ल्यू-एसीबी की जांच में कई मैनपावर एजेंसियों की भूमिका (शेष पृष्ठ 6 पर...)

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के पांच मंजिला दफ्तर पर बुलडोजर एक्शन, भाजपा बोली- कागज हैं तो दिखाइए

कोलकाता। कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी के पार्टी कार्यालय को तोड़े जाने के बाद इस मुद्दे पर सियासत तेज हो गई है। भाजपा नेताओं ने कार्रवाई को सही ठहराते हुए कार्यालय को अवैध बताया है। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि अभिषेक बनर्जी का कार्यालय अवैध था, इसलिए उसे हटाया गया। उन्होंने कहा कि यदि कार्यालय कानूनी रूप से बना है तो उसके दस्तावेज सार्वजनिक किए जाएं।

अभिषेक बनर्जी पर साधा निशाना

मजूमदार ने अभिषेक बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी चुनौतियों पर अब कोई भरोसा नहीं करता। उन्होंने 2019 के एक पुराने बयान का जिक्र करते हुए कहा कि तब अभिषेक बनजी ने कहा था कि अगर अर्जुन सिंह चुनाव जीत गए तो वह अपना हाथ काट देंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि तृणमूल कांग्रेस के भीतर ही मतभेद बढ़ रहे हैं।

लॉकेट चटर्जी ने भी कार्रवाई का समर्थन किया

वहीं, भाजपा नेता लॉकेट चटर्जी ने भी कार्रवाई का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि एक सांसद अवैध जगह पर पार्टी कार्यालय नहीं बना सकता। उनके मुताबिक, पहले राज्य में भ्रष्टाचार के कारण ऐसी चीजें होती रहीं, लेकिन अब सरकार अवैध निर्माण और भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि जहां भी नियमों का उल्लंघन होगा, वहां कार्रवाई होगी और जनता भी इस प्रक्रिया को देख रही है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले के प्रशासन ने शनिवार को डायमंड हार्बर से सांसद और तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी के आमतला कार्यालय को ढहा दिया। प्रशासन ने इस कार्रवाई के पीछे कथित अवैध निर्माण और बार-बार भेजे गए नोटिसों का कोई (शेष पृष्ठ 6 पर...)

भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को पुलिस ने जंतर-मंतर से हटाया, अस्पताल लेकर गई

नईदिल्ली। 21 दिन से दिल्ली के जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को पुलिस ने जबरन वहां से हटा दिया है। भारी सुरक्षा के बीच पुलिस वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल लेकर गई है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि हाई कोर्ट के आदेशों और चिकित्सकीय विशेषज्ञों की सलाह के बाद वांगचुक की बिगड़ती सेहत को देखते हुए उन्हें जरूरी देखभाल के लिए अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। दिल्ली पुलिस ने कहा, माननीय हाई कोर्ट के आदेशों और मेडिकल विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार, वांगचुक की बिगड़ती सेहत को देखते हुए उन्हें जरूरी मेडिकल देखभाल के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने बाधा डालने की कोशिश की, जिससे अफरा-तफरी मची। हालांकि, पुलिस ने संयम बरता और पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित रूप से किया। हम जंतर-मंतर पर मौजूद प्रदर्शनकारियों से अपील करते हैं कि वे जल्द से जल्द शांतिपूर्ण ढंग से जगह खाली करदें। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने कहा, सुबह करीब 7 बजे जब मैं बाहर गया था, तभी पुलिसकर्मी वहां पहुंचे। वे सोनम सर को गालियां देते हुए

वांगचुक की पत्नी बोलीं- बिना सहमति उन्हें दवा न दें

वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंग्मो ने कहा कि परिवार, डॉक्टरों और उनकी सहमति के बिना वांगचुक को कोई भी दवा नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में हूं, जहां सोनम वांगचुक को भर्ती कराया गया है। मेरी, परिवार और उन डॉक्टरों की सहमति के बिना उन्हें मुंह से या नस के जरिए कोई भी दवा नहीं दी जानी चाहिए, जो 20 दिनों से उनकी सेहत की निगरानी कर रहे हैं। सफदरजंग अस्पताल ने बताया कि वांगचुक को सुबह मेडिकल देखभाल के लिए भर्ती किया गया।

स्काईरूट ने मिशन आगमन से रचा इतिहास, लॉन्च हुआ भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट

नई दिल्ली। भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में देश की पहली प्राइवेट स्पेस स्टार्टअप कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने एक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक कामयाबी हासिल की है। हैदराबाद आधारित इस एरोस्पेस कंपनी ने भारत का पहला पूर्णतः निजी ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से दोपहर ठीक 12.05 बजे सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में रवाना कर दिया।

इस महत्वाकांक्षी टेस्ट फ्लाइट लॉन्च को मिशन आगमन का विशिष्ट नाम दिया गया था। हालांकि, शुरुआत में इस ऐतिहासिक प्रक्षेपण का समय सुबह 11.30 बजे तय किया गया था, लेकिन खराब मौसम और नेविगेशन संबंधी कुछ आखिरी मिनटों की तकनीकी दिक्कतों के कारण काउंटडाउन को कुछ देर के लिए रोकना पड़ा, जिसके चलते यह लॉन्च निर्धारित समय से करीब 35 मिनट की देरी से पूरा हो सका। मिशन आगमन के तहत उड़ान भरने वाला यह रॉकेट लगभग 16 मिनट की अपनी शुरुआती

यात्रा तय करने के बाद, अपने साथ ले गए महत्वपूर्ण घरेलू और विदेशी पेलोड्स को पृथ्वी की सतह से 450 किलोमीटर की ऊंचाई और 60 डिग्री के झुकाव पर स्थित लो अर्थ ऑर्बिट में स्थापित करेगा। उल्लेखनीय है कि पृथ्वी की यह वही सर्कुलर निचली कक्षा है जहां इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन भी लगातार चक्कर लगाता है और ज्यादातर व्यावसायिक व मौसम संबंधी उपग्रह भी इसी ऑर्बिट में सक्रिय रहते हैं। तकनीक के लिहाज से विक्रम-1 पूरी तरह से अत्यधिक हल्के और बेहद मजबूत कार्बन-कंपोजिट स्ट्रक्चर से निर्मित भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट है। इस रॉकेट में प्रयुक्त कार्बन फाइबर धातु स्टील के मुकाबले करीब 5 गुना तक हल्का होता है, जिसकी वजह से न सिर्फ पूरे रॉकेट का कुल वजन काफी कम हो गया, बल्कि इसकी ईंधन दक्षता में भी जबर्दस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है। स्काईरूट एयरोस्पेस के इस आधुनिक रॉकेट को विशाल ऊर्जा प्रदान करने के लिए इसमें 3 सॉलिड-फ्यूल स्टेज और 1 अत्यंत सटीक लिक्विड ऑर्बिटल एडजस्टमेंट मॉड्यूल को असेंबल किया गया है। इसमें लगे 3 सॉलिड चरण रॉकेट को जमीन से तीव्र गति के साथ उठाकर सीधे लो अर्थ ऑर्बिट तक धकेलने का काम करते हैं, जबकि शीर्ष पर लगा लिक्विड मॉड्यूल अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद उपग्रहों को उनकी बिल्कुल सटीक कक्षा में व्यवस्थित तरीके से स्थापित करता है। यह मिशन सिर्फ अत्याधुनिक तकनीक का ही नहीं, बल्कि विज्ञान और सूक्ष्म कला का एक अद्भुत संगम भी साबित हुआ है। रॉकेट अपने साथ ग्रह स्पेस का टेक्नोलॉजी पेलोड, कॉस्मोसर्व स्पेस का पेलोड, डीक्यूब्ड का स्पेस रिसर्च पेलोड और स्काईरूट का अपना इन-हाउस स्कोप पेलोड लेकर गया है।

अहमदाबाद की पटाखा फैक्टरी में लगी भीषण आग; नौ लोगों की मौत, 15 गंभीर रूप से घायल

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में शनिवार को एक पटाखा फैक्टरी में भीषण आग लग गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना में नौ लोगों की मौत की हो गई है, जबकि 15 लोग घायल बताए जा रहे हैं। वहीं, मौके पर दमकल की कई गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हैं। जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद में मेहमदपुरा स्थित टैलेंट पटाखा फैक्टरी में आग लगी, इसके बाद फैक्टरी में रखे विस्फोटक से धमाके होने लगे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पटाखा फैक्टरी में आग लगने के बाद धुएं का गुबार कई सौ मीटर ऊपर तक गया, जिसे कुछ किलोमीटर दूर से भी देखा गया। इस फैक्टरी में आग कैसे लगी इसकी जानकारी अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है।

जेपीसी क्राइम ब्रांच के अधिकारी शरद सिंघल ने बताया कि हादसे के समय फैक्टरी में 15 लोग काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फैक्टरी बिना लाइसेंस के संचालित की जा रही थी। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के साथ लौटा मानसून : रिमझिम फुहारों से फसलों को मिला जीवनदान

राजनांदगांव (दावा)। पिछले एक सप्ताह से दस दिनों से मानसून पर लगे अचानक ब्रेक और भीषण उमस से जूझ रहे राजनांदगांव जिले के नागरिकों और किसानों के लिए भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा राहत की फुहारें लेकर आई। रथयात्रा के पावन दिन से शुरू हुई हल्की बूंदाबांदी और रिमझिम बारिश ने जहां एक ओर मौसम को बेहद सुहाना और खुशगवार बना दिया है। वहीं दूसरी ओर खेतों में पानी की बाट जोह रहे अन्नदाताओं के चेहरे पर भी रौनक लौटा दी है। इस बारिश के बाद वातावरण में नमी आने से लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिली है। बिना पानी और तेज धूप के कारण खेतों में बोई गई खरीफ की फसलें मुरझाने की कगार पर पहुंच चुकी थीं। अब पर्याप्त नमी मिलने से धान, दलहन और तिलहन सहित अन्य फसलों की स्थिति में सुधार की उम्मीद बढ़ गई है। जिले के किसान अब जल्द से जल्द रोपाई और बोनी के कार्यों को पूरा करने में जुट गए हैं। जिससे ग्रामीण अंचलों और खेतों में चहल-पहल बढ़ गई है।

सप्ताह भर के 'ब्रेक' के बाद मौसम हुआ खुशगवार, खरीफ बोनी के कार्यों में आई तेजी, किसानों के खिले चेहरे

खरीफ सीजन के लिए 1.89 लाख हेक्टेयर में बोनी का लक्ष्य

जुलाई की शुरुआत में अच्छी बारिश के बाद मानसून के रूठ जाने से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गई थीं, लेकिन जगन्नाथ स्वामी की कृपा से बदले मौसम तंत्र ने खेती-किसानी को नया जीवनदान दिया है। हालांकि, मानसून अभी पूरी तरह सक्रिय नहीं हुआ है, लेकिन मौसम विभाग ने आगामी दो-तीन दिनों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम और कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताई है। कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, इस खरीफ वर्ष 2026 के अंतर्गत जिले में 1,89,000 से अधिक हेक्टेयर में बोनी का लक्ष्य सुनिश्चित किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दबाव का क्षेत्र (लो-प्रेशर एरिया) विकसित हो रहा है। जिससे मानसून को नई गति मिलने की उम्मीद है। इसके प्रभाव से मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है।

सावन-भादों में झमाझम बारिश के संकेत

ज्योतिषीय दृष्टिकोण से भी इस वर्ष मानसून की स्थिति बेहद मजबूत नजर आ रही है। युवा ज्योतिषाचार्य दिवाकर बाजपेई ने बताया कि अधिकतर ग्रहों का जलनाड़ी में होना और सूर्य के आगे शुक्र की स्थिति उत्तम वर्षा के योग बना रही है। इस वर्ष सावन और भादों के महीने में अच्छी वर्षा के संकेत हैं। आगामी 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के बाद 30 जुलाई से पवित्र श्रावण मास (सावन) की शुरुआत हो रही है। जिससे चहुंओर धार्मिक माहौल भी गुंजायमान रहेगा।

जलाशयों में पानी की आवक शुरू : जिले में अब तक 1944.4 मिमी कुल बारिश

पखवाड़े भर के सूखे के कारण जिले के प्रमुख जलाशयों का जलस्तर तेजी से गिर रहा था और प्रसिद्ध मोंगरा जलाशय में पानी सूखने की नौबत आ गई थी। गनीमत है कि पिछले दो-तीन दिनों की रुक-रुक कर हुई बारिश से नदी-नालों और जलाशयों में पानी की आवक फिर से शुरू हो गई है। भू-अभिलेख विभाग से प्राप्त आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, राजनांदगांव जिले में 1 जून से लेकर अब तक सभी तहसीलों को मिलाकर कुल 1944.4 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है, जबकि जिले की औसत बारिश 277.8 मिमी रही है। हाल ही में 17 से 18 जुलाई के भीतर जिले की सभी 7 तहसीलों में कुल 178.6 मिमी (औसत 25.5 मिमी) बारिश रिकॉर्ड की गई। तहसीलवार वर्षा का लाईव आंकड़ा (1 जून से अब तक) में राजनांदगांव तहसील 379.3 मिमी, कुमर्दा तहसील 304.4 मिमी, डोंगरगढ़ तहसील 296.9 मिमी, लालबहादुर नगर तहसील 292.5 मिमी, डोंगरगांव तहसील 240.2 मिमी, घुमका तहसील 224.5 मिमी, छुरिया तहसील 206.5 मिमी दर्ज है।

विशेष लोक अदालत में सुलझे 38 मामले, 1.45 करोड़ से अधिक की राशि का निपटारा

प्रधान जिला न्यायाधीश विजय कुमार होता के मार्गदर्शन में 9 खंडपीठों में हुई त्वरित सुनवाई, पक्षकारों को मिली बड़ी राहत

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के दिशा-निर्देशन में शनिवार 18 जुलाई को जिला मुख्यालय में विशेष लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव के अध्यक्ष व प्रधान जिला न्यायाधीश विजय कुमार होता के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित इस अदालत का सीधा लाभ राजनांदगांव के साथ-साथ नवगठित जिलों मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी और खैरागढ़-छुईखदान, गंडई के पक्षकारों को भी मिला। इस विशेष लोक अदालत में न्यायालयों में लंबे समय से लंबित आपराधिक राजीनामा योग्य प्रकरणों तथा धारा-138 एनआई एक्ट (चेक बाउंस) से संबंधित प्री-लिटिगेशन व लंबित मामलों को आपसी समझौते के जरिए त्वरित निराकरण के लिए चिन्हित किया गया था। पक्षकारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रधान जिला न्यायाधीश के नेतृत्व में कुल 9 खंडपीठों (बेन्चों) का गठन किया गया था। जहां मामलों की सिलसिलेवार सुनवाई हुई।

217 मामलों पर हुई गंभीर सुनवाई, 38 में बनी आपसी सहमति

अदालत में आज कुल 217 मामलों को आपसी सुलह के लिए रखा गया था। इनमें विभिन्न न्यायालयों में लंबे समय से लंबित 214 मामले और प्री-लिटिगेशन चरण के 3 मामले शामिल रहे। दोनों पक्षों के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई चर्चा और न्यायिक अधिकारियों की मध्यस्थता के बाद कुल 38 गंभीर लंबित मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा कर दिया गया।

करीब डेढ़ करोड़ की राशि पर हुआ सेटलमेंट

विशेष लोक अदालत की इस बड़ी सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शनिवार को निपटाए गए 38 मामलों में कुल निपटान राशि 1,45,40,053 (एक करोड़ पैंतालीस लाख चालीस हजार तिरपन रुपये) रही। कोर्ट में सालों से चल रहे मुकदमों के इस तरह शांतिपूर्ण और सम्मानजनक निपटारे से जहां पक्षकारों को मानसिक तनाव से मुक्ति मिली। वहीं उनके समय और धन दोनों की बड़ी बचत हुई।

आपसी सुलह का बेहतरीन जरिया

विधिक सेवा प्राधिकरण अधिकारी ने कहा कि आपसी समझौते और सौहार्द के आधार पर मुकदमों को हमेशा के लिए खत्म करने का लोक अदालत एक बेहतरीन और सर्वमान्य माध्यम है। आज के सफल आयोजन में न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं और बड़ी संख्या में पहुंचे पक्षकारों का सराहनीय योगदान रहा। इस दौरान न्यायालय परिसर में पक्षकारों और अधिवक्ताओं की भारी भीड़ देखी गई। त्वरित न्याय मिलने से कई परिवारों के बीच सालों से चल रहा मनमुटाव भी समाप्त हुआ।

नेहरू उद्यान और ममता नगर रोड से हटाया गया अतिक्रमण, जल निकासी में बाधा बने चबूतरे तोड़े

निगम आयुक्त के निर्देश पर चला अभियान, सुगम यातायात और जल निकासी के लिए जेसीबी से हुई कार्रवाई

राजनांदगांव (दावा)। बारिश में सुचारू पानी निकासी एव सुगम यातायात की दृष्किोण से नगर निगम द्वारा अतिक्रण हटाने की कार्यवाही की जा रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में शीतला मंदिर नेहरू उद्यान के पास से अनाधिकृत रूप से रखे ठेला हटाने की कार्यवाही निगम के अतिक्रमण दस्ता द्वारा किया गया। इसी प्रकार ममता नगर रोड में पानी निकासी के लिए चबूतरे तोडे गये। उल्लेखनीय है कि शीतला मंदिर नेहरू उद्यान के आस पास अतिक्रमण कर 5-6 ठेला रखा गया था। जिससे आवागम बाधित होने के साथ साथ गंदगी फैल रही थी। उक्त ठेलो को अतिक्रमण हटाव अभियान के तहत निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम के निर्देश पर नगर निगम की अतिक्रमण दस्ता ने मानव गैंग एवं जे.सी.बी. के माध्यम से हटाने की कार्यवाही किए। इसी प्रकार ममता नगर रोड में अण्डर ब्रिज के पास पानी निकासी में आ रही बाधा को हटाने प्लेटफाम को तोडा गया। यह अभियान निरंतर जारी रहेगी।

आयुक्त ने शहर को स्वच्छ एवं साफ रखने सहयोग करने नागरिको एवं व्यापारियों से अपील करते हुए कहा है कि शहर के चैक चैराहो एवं रोड में पसरा व ठेला खोमचा न लगावे। रोड में पसरा आदि लगाने से यातायात बाधित होने के साथ साथ दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। इसी प्रकार अतिक्रमण करने से पानी निकासी प्रभावित होती है। साथ ही सडक में मलमा या मटेरियल रखने से गंदगी फैलती है। उन्होने कहा कि निगम का अतिक्रमण दस्ता हटाने की कार्यवाही करेगी उससे पूर्व हटा लेवे अन्यथा बिना सूचना हटाकर जुर्माना वसूला जाएगा।

पुलिस ने अवैध शराब बिक्री करने वाले को धरदबोचा

राजनांदगांव (दावा)। कोतवाली पुलिस ने अपने थाना क्षेत्र में अवैध शराब बेचने वाले आरोपी को धर दबोचा है और उसके कब्जे से 20 पौवा देशी शोले मसाला शराब जब्त की है। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। कोतवाली पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों एवं अवैध शराब बिक्री में संलिप्त लोगों के विरूद्ध सतत अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 18 जुलाई को मुखबीर की सूचना पर अटल आवास लखोली में रेड कार्यवाही कर आरोपी शिवा सिन्हा पिता इंद्र सिन्हा उम्र 25 साल निवासी संतोषी नगर अटल आवास लखोली को घेराबंदी पकड़ा गया। जिसके कब्जे से 20 पौवा देशी शोले मसाला शराब मात्रा 3.600 बल्क लीटर किमती 2000 रूपये जप्त कर अपराध सबूत पाये जाने से धारा 34(1) आबकारी एक्ट के तहत विधिवत कार्यवाही किया गया। आगे भी असामाजिक तत्वों एवं अवैध शराब बिक्री में संलिप्त लोगों के खिलाफ लगातार कार्यवाही जारी रहेगी।

दिव्यांग बहुउद्देशीय कल्याण संगठन का चुनाव संपन्न, नरेंद्र देवदास बने नए अध्यक्ष

राजनांदगांव (दावा)। दिव्यांग बहुउद्देशीय कल्याण संगठन जिला राजनांदगांव की नई कार्यकारिणी का चुनाव बेहद गरिमामय और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। इस चुनावी प्रक्रिया में संगठन की मजबूती और एकजुटता की मिसाल पेश करते हुए सभी सदस्यों की सर्वसम्मति से अध्यक्ष एवं अन्य प्रमुख पदाधिकारियों का चयन किया गया। संगठन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों की सूची इस प्रकार है। जिसमें अध्यक्षः नरेंद्र देवदास, उपाध्यक्ष भीखम दास साहू, सचिव ताराचंद साहू, संयुक्त सचिव भोजकुमार साहू, कोषाध्यक्ष मनोहर साहू, उप कोषाध्यक्ष हेमंत कुमार यादव, संरक्षक एवं मीडिया प्रभारी संरक्षक तिजेंद्र कुमार साहू व सुश्री लक्ष्मी साहू, मीडिया प्रभारी चंद्रकांत साहू, कार्यकारिणी सदस्यगण श्रीमती रामेश्वरी साहू, अशोक कुमार साहू, नारद साहू, वीरेंद्र गंधर्व, सोहनलाल साहू, पुरुषोत्तम मानिकपुरी, हितेश कुमार, ईश्वर साहू, बबीता चांदवानी आदि है।

छग विधानसभा भ्रमण से लोकतंत्र की कार्यप्रणाली को समझने का मिला अवसर - प्रतिमा पप्पू चंद्राकर

राजनांदगांव (दावा)। भाजपा राजनांदगांव ग्रामीण पूर्व एवं पश्चिम मंडल के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने 17 जुलाई को छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान विधानसभा का भ्रमण किया। इस अवसर पर सभी ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से सौजन्य भेंट कर आत्मीय मुलाकात की तथा उनके मार्गदर्शन में विधानसभा की कार्यप्रणाली, लोकतांत्रिक परंपराओं और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान कार्यकर्ताओं ने नवीन छत्तीसगढ़ विधानसभा भवन का अवलोकन किया तथा दर्शक दीर्घा में बैठकर सदन की कार्यवाही को प्रत्यक्ष रूप से देखा और सुना। जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर होने वाली चर्चा और विधायी प्रक्रिया को निकट से देखने का अवसर सभी के लिए प्रेरणादायक रहा। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने इसे लोकतंत्र को समझने का महत्वपूर्ण अनुभव बताया।

जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिमा पप्पू चंद्राकर ने कहा कि विधानसभा केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, बल्कि लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर है, जहां जनहित सर्वोपरि होता है। उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही, अनुशासन और जनहित के मुद्दों पर होने वाली गंभीर चर्चा को प्रत्यक्ष रूप से देखने से जनप्रतिनिधियों के दायित्वों को बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिला। यह अनुभव जनसेवा के संकल्प को और अधिक मजबूत करने वाला है तथा जनता की अपेक्षाओं पर बेहतर ढंग से खरा उतरने की नई प्रेरणा मिली है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के मार्गदर्शन के लिए आभार भी व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति देवकुमारी साहू, जनपद उपाध्यक्ष अनीता सिन्हा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मधु सुकृत साहू, मंडल अध्यक्ष मनोज साहू, मंडल अध्यक्ष खिलेश्वर साहू, रमेश चंद्राकर (पप्पू), मीडिया प्रभारी देवल साहू, सोशल मीडिया प्रभारी हिपेंद्र साहू, मुकेश साहू, हेमदीप साहू, गोविंद वर्मा, कोमल टंडन सहित राजनांदगांव ग्रामीण पूर्व एवं पश्चिम मंडल के पदाधिकारी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले मितानिन सम्मानित

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कलेक्टोरेट में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 13 मितानिनों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मितानिनों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। कलेक्टर ने डोंगरगांव विकासखंड से शारदा सिन्हा, चितरेखा देवांगन, फलिता साहू एवं देवकी वर्मा, छुरिया विकासखंड से पुनम साहू, राधामनी एवं सुलोचना साहू, डोंगरगढ़ विकासखंड से दिलेश्वरी गोंड, कामता वर्मा एवं डोमन, घुमका से उत्तरा देवांगन, रजनी एवं मांगतीन को सम्मानित किया। मितानिनों द्वारा किशोरी बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से संबंधित एचपीवी वैक्सीन, हाईरिस्क गर्भवती माता, संस्थागत प्रसव, शिशु एवं मातृ मृत्यु, टीवी एवं कुपोषण मुक्त ग्राम पंचायत, कैंसर के मरीजों की पहचान, फाइलेरिया की दवा तथा स्कूलों में किशोरी बालिकाओं की समस्या समाधान हेतु की गई गतिविधियों में सहयोग, आयरन फोलिक एसिड की दवा, मानसिक मरीजों को मेडिकल कॉलेज ले जाना, शून्य से 5 वर्ष के कुपोषित बच्चों को कुपोषण मुक्त के लिए एनआरसी में भेजना, 12 सप्ताह पहले गर्भवती माता का पंजीयन, पूर्ण टीकाकरण सहित अन्य कार्य में सराहनीय योगदान के लिए उत्कृष्ट मितानिन के रूप में चयन किया गया है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ दुर्गा प्रसाद अधिकारी, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शीतल बंसल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन, डीपीएम संदीप ताम्रकार, अनिल श्रीवास्तव, डीसी सुकून दास मानिकपुरी सहित मितानिन प्रशिक्षक एवं ब्लॉक कोऑर्डिनेटर उपस्थित रहे।

ईश्तहार

रीसित वर्मा (REESHIT VERMA) पिता योगेन्द्र कुमार वर्मा वर्ष 2025 में जे.एल.एम. गायत्री विद्यापीठ राजनांदगांव (छ.ग.) से (सी.बी.एस.ई.) कक्षा 10 वीं में अध्ययनरत् था, जिनका अनुक्रमांक-12134796 है। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा दिनांक 13/05/2025 को जारी अंक विवरणिक सह प्रमाण-पत्र में माता का नाम -YOGENDRA KUMAR VERMA एवं पिता/संरक्षक का नाम DROPATI VERMA जारी किया गया है। उक्त त्रुटि सुधार कर माता का नाम- DROPATI VERMA एवं पिता का नाम YOGENDRA KUMAR VERMA अंकित किया जावे।

रीसित वर्मा
पिता योगेन्द्र कुमार वर्मा
निवासी - पुलिस लाईन,
राजनांदगांव (छ.ग.)

शुभांक

अनुमानित

बी. के.

150-6 589-2

चेतावनी:-इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

सर्वजनहित समिति ने उठाए जनहित के मुद्दे, निगम आयुक्त ने दिया समाधान का आश्वासन

नाली निर्माण को मिलेगी प्राथमिकता, बंद हाईमास्ट लाइटें भी जल्द होंगी चालू

राजनांदगांव (दावा)। सर्वजनहित समिति के अध्यक्ष अशोक फड़नवीस ने राजनांदगांव शहर के अंबेडकर चौक (स्टेडियम चौक) से प्यारेलाल स्कूल चौक तक लगभग 30 वर्ष पूर्व लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा निर्मित पत्थर की नाली की जर्जर एवं अव्यवस्थित स्थिति तथा नेशनल हाईवे द्वारा स्थापित अधिकांश हाईमास्ट लाइटों के लंबे समय से बंद रहने का मुद्दा नगर निगम आयुक्त मरकाम के समक्ष प्रमुखता से उठाया।

उल्लेखनीय है कि वर्षों पुरानी इस नाली में मलबा जमा होने, ढाल (स्लोप) व्यवस्थित नहीं रहने तथा ओवरब्रिज निर्माण के दौरान नाली के ऊपर भारी-भरकम सीमेंट के स्थायी ढक्कन लगाए जाने से इसकी नियमित सफाई संभव नहीं हो पाती। परिणामस्वरूप बरसात के दौरान पानी की निकासी बाधित हो जाती है और तेज वर्षा में सड़क पर घुटनों तक पानी भर जाता है। शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल यह क्षेत्र कलेक्ट्रेट के मुख्य प्रवेश द्वार से लगा हुआ है, जिससे जलभराव के कारण प्रतिदिन इस मार्ग से आवागमन करने वाले हजारों नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है तथा यातायात भी गंभीर रूप से प्रभावित होता है।

नगर निगम आयुक्त ने अधिकारियों के साथ स्थल का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने माना कि वर्तमान नाली की संरचना के कारण जल निकासी प्रभावित हो रही है। उन्होंने नई नाली के निर्माण हेतु आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी कार्यवाही प्राथमिकता के आधार पर प्रारंभ करने का आश्वासन दिया, ताकि भविष्य में इस समस्या का स्थायी समाधान किया जा सके। निरीक्षण के दौरान श्री फड़नवीस ने नेशनल हाईवे द्वारा स्थापित हाईमास्ट लाइटों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि अधिकांश हाईमास्ट लाइटें रात्रि में बंद रहने से प्रमुख मार्गों पर अंधेरा रहता है। जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इस पर निगम आयुक्त ने संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर हाईमास्ट लाइटों को शीघ्र चालू कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर सर्वजनहित समिति के अनीस खान, सूरज शर्मा, दयावान देवांगन, नवीन जायसवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। समिति ने विश्वास व्यक्त किया कि नगर निगम प्रशासन अपने आश्वासन के अनुरूप शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करते हुए शहरवासियों को जलभराव और अंधेरे की समस्या से स्थायी राहत दिलाने की दिशा में प्रभावी पहल करेगा।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम ओमिशा शर्मा पिता शैलेन्द्र कुमार शर्मा निवासी डोंगरगांव, तहसील डोंगरगांव, जिला-राजनांदगाँव (छ.ग.) की निवासी हूं। यह कि मेरी कक्षा 12वीं की अंकसूची में मेरे पिता जी का नाम एस.के. शर्मा त्रुटिवश दर्ज हो गया है जो कि गलत है जबकि मेरे आधार कार्ड व मेरे जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पिता जी का नाम शैलेन्द्र कुमार शर्मा दर्ज है जो कि सही है शैलेन्द्र कुमार शर्मा एवं एस.के शर्मा दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है।

अतः भविष्य में मेरे सभी शासकीय/अर्द्धशासकीय दस्तावेजों व अंकसूची में मेरे पिता जी का नाम शैलेन्द्र कुमार शर्मा ही लिखा व पढ़ा जावे।

शपथकर्ता
ओमिशा शर्मा
निवासी - डोंगरगांव,
जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

धारदार चाकू लेकर लोगों को भयभीत करने वाला आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा

राजनांदगांव (दावा)। बसंतपुर पुलिस ने अपने थाना क्षेत्र में धारदार चाकू ले कर लोगों भयभीत करने वाले एक आरोपी को धर दबोचा है। पुलिस ने उसके पास से धारदार चाकू जब्त की है तथा उन्हें गिरफ्तार कर जेल की सलाखों में भेज दिया है। बसंतपुर थाना प्रभारी एमन साहू ने बताया कि आर्म्स एक्ट के आरोपी के विरूद्ध थाना बसंतपुर में चोरी, आबकारी, मारपीट एवं हत्या के प्रकरण दर्ज है। इसके अलावा मोहल्ले मे हो-हुल्लड़ करने वाले 5 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत् कार्यवाही कर जेल भेजा गया है। चाकूबाजी करने वाले आरोपी का नाम गौरव यादव पिता दीपक यादव उम्र 22 साल निवासी नंदई चौक बताया जाता है। इसी तरह हो-हुल्लड़ करने वाले आरोपियों में रोहण गनवीर पिता स्व. संतोष गणवीर उम्र 24 साल निवासी प्रभात नगर, निखिल ढीमर पिता जीतू ढीमर उम्र 20 साल निवासी ढीमरपारा, ऋषिदास मानिकपुरी पिता जीतू मानिकपुरी उम्र 19 साल निवासी रानीसागर ढीमरपारा व शंकर रजक पिता बसंत रजक उम्र 27 साल निवासी बांसपाई पारा थाना बसंतपुर है।

नंदई चौक में लहरा रहा था धारदार चाकू

थाना बसंतपुर पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति नंदई चौक मंच के पास सार्वजनिक स्थान पर धारदार लोहे का चाकू लेकर लोगों को भयभीत कर रहा है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची एवं आरोपी गौरव यादव पिता दीपक यादव निवासी नंदई यादव पारा को घेराबंदी कर पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक धारदार लोहे का चाकू बरामद हुआ। आरोपी के विरुद्ध थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 341/2026, धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार किया गया। इसी तरह अलग-अलग स्थानो पर मोहल्ले में हो हुल्लड करने रोहण गनवीर, निखिल ढीमर ऋषिदास मानिकपुरी, शंकर रजक के विरूद्ध धारा 170,126,135(3) भानासुसं के तहत् गिरफ्तार कर उन्हें एसडीएम न्यायालय पेश किया गया। आरोपी एवं अनावेदकगण का जेल वारंट प्राप्त होने पश्चात जिला जेल दाखिल कर दिया गया है।

अंबागढ़ चौकी के विकास के लिए मुस्तैद : नगर अध्यक्ष अनिल मानिकपुरी ने उप-मुख्यमंत्री अरुण साव से की मुलाकात

अंबागढ़ चौकी (दावा)। नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी के सर्वांगीण विकास की कार्ययोजना को लेकर गुरुवार को राजधानी रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ विधानसभा में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल मानिकपुरी ने छत्तीसगढ़ शासन के उप-मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन विकास मंत्री अरुण साव से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने नगर के विभिन्न विकास कार्यों की स्वीकृति, अनुदान उपलब्धता और अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए विस्तृत चर्चा कर एक मांग पत्र (ज्ञापन) सौंपा। मुलाकात के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष ने नगर में जल आवर्धन योजना के अंतर्गत इंटेकवेल हेतु भूमि अधिग्रहण की मंजूरी देने, प्रभावित किसानों को मुआवजा फंड उपलब्ध कराने तथा नालंदा परिसर व एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) के निर्माण की स्वीकृति पर नगरवासियों की ओर से विभागीय मंत्री के प्रति आभार प्रकट किया।

शिवनाथ एनीकट के पास चौपाटी निर्माण और आय बढ़ाने के लिए व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स की मांग, सौंपा ज्ञापन

शिवनाथ एनीकट के समीप बनेगी चौपाटी, युवाओं को मिलेगा रोजगार

उप-मुख्यमंत्री अरुण साव को ज्ञापन सौंपते हुए अनिल मानिकपुरी ने बताया कि अंबागढ़ चौकी नगर से छत्तीसगढ़ की जीवनदायिनी शिवनाथ नदी गुजरती है। जिसका उद्गम के बाद यह पहला बड़ा स्टापेज है। नगर के सौंदर्यीकरण, नागरिकों के मनोरंजन और स्थानीय युवाओं को दुकानों के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए शिवनाथ एनीकट के समीप चौपाटी का निर्माण बेहद आवश्यक है। इसके लिए उन्होंने राज्य प्रवर्तित योजना के तहत 50 लाख रुपये के अनुदान की मांग की है। साथ ही नया बस स्टैंड परिसर में मुसाफिरों की सुविधा के लिए 30 लाख रुपये की लागत से रैन बसेरा निर्माण की स्वीकृति का आग्रह किया।

निकाय की माली हालत सुधारने के लिए कॉम्प्लेक्स निर्माण की जरूरत

नगर अध्यक्ष ने नगरीय प्रशासन मंत्री को निकाय की तंग माली हालत से अवगत कराते हुए बताया कि वर्तमान में नियमित कर्मचारियों की संख्या अधिक होने के कारण स्थापना व्यय काफी बढ़ गया है। जिससे कई बार कर्मचारियों के वेतन भुगतान में विलंब होता है। निकाय को आत्मनिर्भर बनाने और आय के स्रोत बढ़ाने के लिए उन्होंने नया व पुराना बस स्टैंड, परमेश्वरी नगर एवं टाउन हॉल के समीप व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स निर्माण और पालिका बाजार योजना के तहत विशेष अनुदान राशि स्वीकृत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यदि इन व्यावसायिक परिसरों को मंजूरी मिलती है तो नगर पंचायत वेतन भुगतान के मामले में आत्मनिर्भर हो जाएगी। चर्चा के दौरान अनिल मानिकपुरी ने 15वें वित्त योजना और अधोसंरचना मद के अंतर्गत नवीन बस स्टैंड में सड़क व नाली निर्माण, आईटीआई व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जाने वाले मुख्य मार्ग का जीर्णोद्धार तथा विभिन्न वार्डों में बुनियादी विकास कार्यों के लिए फंड जारी करने की मांग की।

प्राथमिकता के आधार पर मिलेंगे कार्य : अरुण साव

नगर अध्यक्ष की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए उप-मुख्यमंत्री अरुण साव ने भरोसा दिलाया कि अंबागढ़ चौकी नगर की प्राथमिकताओं और जनहित को ध्यान में रखते हुए निकाय से जुड़े विकास कार्यों को बारी-बारी से जल्द ही स्वीकृति प्रदान की जाएगी। नगर पंचायत अध्यक्ष ने क्षेत्रवासियों की ओर से उप-मुख्यमंत्री (जो पीएचई, लोक निर्माण एवं खेल युवा कल्याण मंत्री भी हैं) को अंबागढ़ चौकी नगर पधारने का आधिकारिक न्यौता दिया। उन्होंने कहा कि मंत्री जी के ढाई वर्ष के कार्यकाल में नगरीय विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं, लेकिन नवीन गठित जिला मोहला-मानपुर, अंबागढ़ चौकी में उनका अब तक कोई आधिकारिक दौरा नहीं हुआ है। अतः क्षेत्र की जनता उनके स्वागत के लिए उत्सुक है।

सौर ऊर्जा से ऊर्जीकृत होगा शहर : प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से नागरिकों को मिलेगी बड़ी राहत

राजनांदगांव (दावा)। महापौर मधुसूदन यादव एवं कलेक्टर जितेन्द्र यादव आज नगर निगम के टाऊन हाल में आयोजित प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना कार्यशाला में शामिल हुए। महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि देश को आत्मनिर्भर एवं विकसित बनाने के दृष्टिगत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना महत्वपूर्ण है। जिससे आने वाले वर्षों में जनमानस को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि हालांकि यह चुनौतीपूर्ण कार्य है। जिसे हम सभी को मिलकर पूर्ण करना है। इस योजना के क्रियान्वयन में सभी पार्षद अपना सहयोग देंगे तथा अपने घरों में बिजली बिल से मुक्ति पाने के लिए सोलर पैनल लगाने के साथ ही दूसरों को भी लगाने के लिए प्रेरित करेंगे। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी इसमें अपना हरसंभव योगदान देंगे।

महापौर मधुसूदन यादव और कलेक्टर जितेंद्र यादव कार्यशाला में हुए शामिल, 3 किलोवाट प्लांट पर मिलेगी 1.08 लाख तक की सब्सिडी

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहा कि शासन की प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना वर्तमान एवं भविष्य के लिए ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण है। बिजली बिल से संबंधित लागत इसके माध्यम से कम हो रही है। इस योजना से जो बचत होगी। उसका अन्य योजना में उपयोग किया जा सकेगा। हमारी बचत सरकार के लिए भी बचत है। देश के विकास के प्रति हमारा नजरिया होना चाहिए। सरकार प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत सब्सिडी देकर जनमानस को लाभान्वित करन के लिए प्रेरित कर रही है। उन्होंने कहा कि 3 किलोवाट क्षमता का सोलर प्लांट लगाने पर सरकार अधिकतम 1 लाख 8 हजार रूपए की वित्तीय सहायता देती है। सब्सिडी के बाद शुद्ध ऋण राशि 81 हजार रूपए होगी। जिसे लगभग 890 रूपए प्रतिमाह किस्त लगभग 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से भुगतान किया जा सकता है। इसी तरह 1 किलो वॉट, 2 किलो वॉट का भी सोलर पैनल लगवा सकते हैं। आसान तरीके से अपने घरों में अच्छी गुणवत्ता के सोलर पैनल लगाएं तथा बिजली बिल से मुक्ति पाएं। उन्होंने कहा कि इसके लिए बैंक, विद्युत विभाग एवं नगर निगम की टीम समन्वित तरीके से कार्य करेगी। अतिरिक्त बिजली का उत्पादन होने पर भी जनमानस को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि शासन की इस योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि राजनांदगांव जिले में ऊर्जा के क्षेत्र में कीर्तिमान रचना है और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे कदम बढ़ाना है। शहर में दूर-दूर तक सोलर प्लांट लगे हुए दिखाई दें तथा सौर ऊर्जा से शहर को ऊर्जीकृत करें। ऐसा उदाहरण प्रस्तुत करें। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि अपने परिवार को प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का उपहार दें। इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी पार्षदों को सहयोग करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से शहरी क्षेत्रों में इस योजना का बेहतरीन क्रियान्वयन संभव है। विभिन्न वर्गों के लोगों को इस योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि आगामी पीएम सूर्यसभा में सभी शामिल होंगे।

आयुक्त नगर निगम जीआर मरकाम ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में जानकारी दी तथा सभी को अधिक से अधिक इस योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यपालन अभियंता छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित ने बताया कि उपभोक्ता पोर्टल के माध्यम से शासन की इस महती योजना का लाभ ले सकते हैं। आवेदन कर वेंडर का चयन कर सकते हैं। ऊर्जा उपभोक्ता से ऊर्जा दाता भी बन सकते हैं। ग्रिड से कनेक्ट करने पर अतिरिक्त ऊर्जा उत्पादन की भी जानकारी मिलेगी। लीड बैंक मैनेजर मुनिष शर्मा ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत ऋण, ब्याज की राशि के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर योजना से संबंध में सभी की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। इस अवसर पर उपभोक्ताओं को प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में जानकारी देने के लिए स्टॉल लगाया गया। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक लगभग 4000 से अधिक उपभोक्ता प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। कार्यशाला में बड़ी संख्या में पार्षद एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

गुजराती स्कूल में आधुनिक शिक्षण तकनीकों पर कार्यशाला : रटने की आदत छोड़ क्रिएटिव लर्निंग अपनाएंगे शिक्षक

नोएडा के एकेडमिक ट्रेनर आदित्य शर्मा ने दिए टिप्स, क्लासरूम मैनेजमेंट और छात्र-केंद्रित पद्धतियों पर रहा जोर

राजनांदगांव (दावा)। स्थानीय गुजराती स्कूल में शिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन के लिए 'मॉडर्न टीचिंग टेक्निक्स एंड क्लासरूम मैनेजमेंट' विषय पर एक दिवसीय प्रोफेशनल डेवलपमेंट वर्कशॉप (पेशेवर विकास कार्यशाला) का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यशाला में मुख्य वक्ता और प्रशिक्षक के रूप में नोएडा के प्रसिद्ध एकेडमिक ट्रेनर, सर्टिफाइड पेरेंटिंग कोच एवं करियर काउंसलर आदित्य शर्मा उपस्थित रहे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से बाहर निकालकर आधुनिक, छात्र-केंद्रित एवं कौशल-आधारित (स्किल-बेस्ड) शिक्षण पद्धतियों से परिचित कराना था।

कक्षा में बदलाव : सिटिंग अरेंजमेंट बदलें, रटने की प्रवृत्ति को कहें अलविदा

कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में ट्रेनर आदित्य शर्मा ने शिक्षकों को क्लासरूम एंगेजमेंट बढ़ाने के कई व्यावहारिक गुर सिखाए। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को कक्षा में मानसिक रूप से सक्रिय रखने के लिए विविध गतिविधियों का सहारा लेना जरूरी है। बच्चों की एकरसता तोड़ने के लिए प्रत्येक पीरियड में बैठने की व्यवस्था में बदलाव किया जाना चाहिए। बच्चों में रटने की पुरानी प्रवृत्ति को पूरी तरह समाप्त कर स्किल-बेस्ड क्रिएटिव लर्निंग और क्रिटिकल थिंकिंग (तार्किक सोच) को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। विद्यार्थियों को बाहरी दबाव के बजाय स्व-प्रेरित बनने के लिए प्रोत्साहित करने की तकनीकों पर चर्चा हुई।

आईसीटी का उपयोग और व्यावहारिक गृहकार्य पर चर्चा

प्रशिक्षण के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में इन्फॉर्मेशन एंड मीडिया टेक्नोलॉजी के प्रभावी उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इसके साथ ही सर्कल टाइम और थिंक-पेयर-शेयर जैसी आधुनिक व सहभागी शिक्षण तकनीकों के माध्यम से बच्चों को समूह में सीखने तथा शिक्षकों के प्रभावी कम्युनिकेशन स्किल्स (सञ्चार कौशल) के महत्व को रेखांकित किया गया। विशेषज्ञों ने यह महत्वपूर्ण सुझाव भी दिया कि बच्चों को पारंपरिक और उबाऊ होमवर्क देने के बजाय ऐसा व्यावहारिक गृहकार्य दिया जाए जो उनके आसपास के सामाजिक व प्राकृतिक वातावरण से जुड़ा हो। इससे बच्चे खुद अवलोकन करेंगे। सवाल पूछेंगे और अपने अनुभवों से सीख सकेंगे।

आधुनिक पद्धतियों से ही संभव है बच्चों का समग्र विकास : प्राचार्या

प्राचार्य श्रीमती सुषमा शुक्ला ने कहा कि आधुनिक और छात्र-केंद्रित शिक्षण पद्धतियों को दैनिक कक्षाओं में अपनाकर विद्यार्थियों के समग्र विकास और सीखने की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार लाया जा सकता है। यह कार्यशाला शिक्षकों के दृष्टिकोण को बदलने में मील का पत्थर साबित होगी। कार्यशाला की समाप्ति पर स्कूल के सभी शिक्षकों ने इस आयोजन को ज्ञानवर्धक, अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया। इस सफल आयोजन के लिए शाला की प्राचार्या सुषमा शुक्ला, उपप्राचार्या अर्पणा श्रीवास्तव, गुजराती शिक्षण संघ के अध्यक्ष विनय पटेल, सचिव सीए रूपम सोनछत्रा, कोषाध्यक्ष हिमांशु पटेल, कार्यकारिणी सदस्य सूरज बुद्धदेव और पीयूष पटेल ने शाला परिवार को बधाई देते हुए भविष्य में भी ऐसे अकादमिक आयोजनों के माध्यम से निरंतर प्रगति की शुभकामनाएं व्यक्त की हैं।

मानसून के बीच एक्शन में राजनांदगांव निगम : जनसुविधाओं के कार्यों में आई तेजी

राजनांदगांव (दावा)। मानसून के आगमन के साथ ही नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नगर पालिक निगम राजनांदगांव पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। निगम आयुक्त के निर्देश पर शहर में पेयजल व्यवस्था, स्वच्छता, जल निकासी, सड़क मरम्मत, उद्यानों के संरक्षण, स्ट्रीट लाइट सुधार तथा अतिक्रमण नियंत्रण सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। निगम प्रशासन का दावा है कि वार्डों से प्राप्त जनशिकायतों का त्वरित निराकरण करते हुए आवश्यक स्थानों पर युद्धस्तर पर सुधारात्मक कार्रवाई की जा रही है।

शुद्ध पेयजल के लिए रोज खप रही 10 टन फिटकरी, मटमैले पानी की समस्या दूर

बारिश के दौरान नागरिकों को संक्रामक बीमारियों से बचाने और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल शोधन संयंत्र के फिल्टर प्लांट एवं फिल्टर बेड का सुधार कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जल शोधन हेतु प्रतिदिन लगभग 10 टन फिटकरी का उपयोग किया जा रहा है। विभाग के पास फिटकरी सहित अन्य आवश्यक सामग्रियों का पर्याप्त भंडारण है। प्रारंभिक अतिवृष्टि के दौरान शिवनाथ नदी के मटमैले पानी से उत्पन्न तकनीकी समस्या को पूरी तरह दुरुस्त कर लिया गया है। वर्तमान में अनुपम नगर सहित विभिन्न क्षेत्रों में इंटर कनेक्शन के माध्यम से स्वच्छ पेयजल की नियमित आपूर्ति की जा रही है।

नालों की सफाई जारी, अंडरब्रिज में तैनात किए गए अतिरिक्त पंप

शहर के प्रमुख नालों एवं नालियों की नियमित सफाई कराई जा रही है। फ्लाईओवर के नीचे जाम नालियों और नंदई चौक सहित जलभराव वाले संवेदनशील क्षेत्रों की जेसीबी से विशेष सफाई कराई गई है। नालों से निकले गीले कचरे को सूखने के बाद तत्काल टिप्परों के माध्यम से उठाकर वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित किया जा रहा है। रेलवे अंडरब्रिज में जलभराव रोकने के लिए स्थापित पंप हाउस चौबीसों घंटे सक्रिय हैं। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त पंप संचालित कर जलभराव की स्थिति पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा रहा है। निजी प्लॉटों में पानी भरने की शिकायत पर अस्थायी नालियां बनाकर पानी की निकासी कराई जा रही है।

गणेश पर्व के मद्देनजर सड़कों का पेचवर्क, स्ट्रीट लाइटें भी होंगी दुरुस्त

आगामी गणेश पर्व और बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए शहर की प्रमुख सडक़ों पर पेचवर्क (गड्ढों की मरम्मत) का कार्य विभागीय प्रक्रिया के तहत शुरू कर दिया गया है। बस स्टैंड सहित प्रमुख मार्गों के गड्ढों को जल्द भरा जाएगा ताकि सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही आंधी-बारिश से प्रभावित क्षेत्रों की स्ट्रीट लाइटों का लगातार सुधार किया जा रहा है। फरहद चौक एवं डोंगरगांव रोड की बंद स्ट्रीट लाइटों को सुधार लिया गया है। जीई रोड स्थित हाईमास्ट लाइट तथा क्षतिग्रस्त रोप वायर को ठीक करने के लिए तकनीकी टीम जुटी हुई है। दिन के समय जलने वाली स्ट्रीट लाइटों की पहचान कर विद्युत मंडल को सूची सौंपी गई है।

अतिक्रमण और आवारा मवेशियों पर सख्ती, आबंटियों को नोटिस

जनता कॉलोनी लखोली सहित विभिन्न क्षेत्रों में सड़क पर अतिक्रमण करने और बिना अनुमति निर्माण करने वालों को नोटिस जारी किए गए हैं। यातायात विभाग के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है। आवारा मवेशियों को पकड़ने के लिए रात्रिकालीन अभियान जारी है, जिन्हें कांजी हाउस भेजा जा रहा है। आक्रामक श्वानों की शिकायत पर डॉग कैचर टीम सक्रिय है और नसबंदी कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना के अंतर्गत निर्मित दुकानों के आबंटियों को अनुबंध व संचालन सुनिश्चित करने के लिए नोटिस दिए गए हैं। अनुबंध न करने की स्थिति में आबंटन निरस्त कर नई प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

चोरी की शिकायत दर्ज, उद्यानों का होगा जीर्णोद्धार

रानीसागर तालाब की रेलिंग चोरी होने की शिकायत पुलिस थाने में दर्ज कराई गई है तथा रात्रि गश्त बढ़ाने का अनुरोध किया गया है। दूसरी ओर, बजट प्रावधान के अनुसार कलेक्ट्रेट उद्यान सहित शहर के सभी उद्यानों के संरक्षण और सौंदर्यीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। गंज चौक स्थित पुराने शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में जल निकासी एवं मरम्मत कार्य के लिए महापौर द्वारा स्थल निरीक्षण कर आवश्यक एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

स्कूल परिसर में शराब पी रहे दो गिरफ्तार, छात्रा से छेड़छाड़ करने वाला आरोपी भी दबोचा

दुर्ग,(दावा)। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए जिलेभर में चलाए जा रहे पिंक पेट्रोलिंग अभियान के तहत दुर्ग पुलिस ने अलग-अलग मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान स्कूल परिसर में शराब पी रहे दो लोगों को पकड़ा गया, वहीं कॉलेज जा रही छात्रा से छेड़छाड़, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को भी गिरफ्तार कर उसकी दोपहिया वाहन जब्त की गई।पुलिस के अनुसार, थाना सुपेला क्षेत्र में पिंक पेट्रोलिंग टीम को सूचना मिली कि रावणभाठा स्थित शासकीय विद्यालय परिसर में दो व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर शराब पी रहे हैं।

पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने स्व. शांतिदेवी वोरा को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

राजनांदगांव (दावा)। अविभाजित मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मोतीलाल वोरा की धर्मपत्नी एवं दुर्ग के पूर्व विधायक अरुण वोरा की पूज्य माताजी स्व. श्रीमती शांति देवी वोरा के अवसान पर राजनीतिक व सामाजिक जगत में शोक की लहर है। इसी कड़ी में प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव राजधानी रायपुर से विशेष रूप से दुर्ग स्थित पद्मनाभपुर में अरुण वोरा के निवास स्थान पहुंचे। वहां उन्होंने स्व. श्रीमती शांति देवी वोरा को सादर नमन करते हुए अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अत्यंत दुखद अवसर पर राजनांदगांव के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अशोक फडणवीस, नवीन जायसवाल और दयावान देवांगन भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इन सभी वरिष्ठ नेताओं ने पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव के साथ स्व. श्रीमती शांति देवी वोरा के तैलचित्र पर पुष्पगुच्छ अर्पित कर उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि दी और उनकी स्मृतियों को नमन किया। श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात वरिष्ठ नेता अशोक फडणवीस ने पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री सिंहदेव के साथ पूर्व विधायक अरुण वोरा एवं वोरा परिवार के अन्य शोकाकुल परिजनों से भेंट की। उन्होंने इस कठिन समय में पूरे परिवार को ढांढस बंधाया और अपनी गहरी आत्मीय संवेदना व्यक्त की। श्री फडणवीस ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि भगवान दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त वोरा परिवार को इस असहनीय और अपूरणीय दुःख को सहन करने की शक्ति व संबल प्रदान करें। शोक प्रकट करने वालों में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक और जनप्रतिनिधि भी शामिल रहे।

अशोक फडणवीस सहित राजनांदगांव के वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने पूर्व विधायक अरुण वोरा के निवास पहुंचकर व्यक्त की गहरी शोक संवेदना

मकान मालिक पुलिस को अपने किरायादारों की जानकारी अवश्य दें

पुलिस द्वारा अवैध प्रवासियों की पता-साजी, पहचान, कार्यवाही एवं रोकथाम हेतु चलाया रहा विशेष अभियान

राजनंदगांव (दावा)। पुलिस द्वारा जिले में अवैध प्रवासियों की पहचान, सत्यापन, निगरानी एवं आवश्यक वैधानिक कार्यवाही हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस पर राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून-व्यवस्था एवं जनसुरक्षा की दृष्टि से सभी नागरिकों, संस्थानों एवं जनप्रतिनिधियों का सहयोग अपेक्षित है।

इस संबंध में पुलिस द्वारा लोगों के लिए निर्देश एवं अपील जारी की है जिसमें कहा गया है कि प्रत्येक मकान मालिक को अपने किरायेदारों की जानकारी देना आवश्यक है। वहीं पुलिस के माध्यम से पुनः सूचित किया गया है कि 'छत्तीसगढ़ रेंट कंट्रोल अधिनियम, 2011' की अनुसूची-3, धारा 12, उपधारा (3), सरल क्रमांक-2 के अंतर्गत किसी भी नए किरायेदार के प्रवेश की स्थिति में भूमि स्वामी (मकान मालिक) की यह वैधानिक बाध्यता है कि वह किरायेदार की जानकारी निर्धारित प्रारूप में 07 दिवस के भीतर निकटतम पुलिस थाने में प्रस्तुत करें। उक्त नियम का पालन न करने की स्थिति में संबंधित भूमि स्वामी के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जा सकती है। जिन मकान मालिकों द्वारा पूर्व में जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई है, वे भी 07 दिवस के भीतर संबंधित थाना प्रभारी को जानकारी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

उद्योग, कंपनियां, फैक्ट्री, होटल, ढाबा एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जिम्मेदारी

पुलिस द्वारा जिले के समस्त उद्योग, कंपनियां, फैक्ट्री, प्लांट, होटल, ढाबा, दुकान एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निर्देशित किया गया है कि यदि उनके प्रतिष्ठान में जिले अथवा छत्तीसगढ़ राज्य के बाहर से आए मजदूर, कर्मचारी अथवा अन्य व्यक्ति कार्यरत हैं, तो उनकी जानकारी संबंधित थाना क्षेत्र में 05 दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। जानकारी प्रस्तुत करने में लापरवाही अथवा कोताही बरते जाने तथा बाद में ऐसे व्यक्तियों के संबंध में प्रतिकूल तथ्य पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान संचालक के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

फेरीवालों, फल विक्रेताओं एवं बाहरी व्यक्तियों का पंजीयन

पुलिस द्वारा कहा गया है कि ऐसे सभी फेरीवाले, फल-सब्जी विक्रेता, अस्थायी व्यवसायी अथवा अन्य व्यक्ति जो राजनांदगाँव जिले अथवा छत्तीसगढ़ राज्य के बाहर से आकर जिले में निवास अथवा व्यवसाय कर रहे हैं। उन्हें निकटतम पुलिस थाने में उपस्थित होकर मुसाफिरी रजिस्टर में अपनी जानकारी दर्ज कराना अनिवार्य होगा। यह व्यवस्था उनकी पहचान के सत्यापन एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से लागू की जा रही है।

जनप्रतिनिधियों एवं पार्षदगण से सहयोग की अपील

पुलिस ने जिले के समस्त सम्माननीय पार्षदगण एवं जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया है कि यदि उनके संज्ञान में ऐसा कोई व्यक्ति आता है जो संबंधित वार्ड के निर्वाचक नामावली से बाहर का हो, किराए अथवा अन्य किसी रूप में निवासरत हो तथा उसकी गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होती हों, तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस अधीक्षक कार्यालय, राजनांदगांव की स्टेनो शाखा अथवा इस टोल फ्री नंबर-1800-233-1905 पर दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

प्रेस एवं मीडिया बंधुओं से विशेष अनुरोध

पुलिस द्वारा समस्त सम्माननीय प्रेस एवं मीडिया बंधुओं से अनुरोध किया है कि आप पुलिस एवं समाज के सूचना तंत्र के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। यदि आपके संज्ञान में कोई संदिग्ध व्यक्ति, अवैध प्रवासी अथवा राष्ट्रीय सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था से संबंधित कोई महत्वपूर्ण सूचना आती है, तो कृपया अपने क्षेत्र के राजपत्रित पुलिस अधिकारी अथवा निकटतम पुलिस थाना को इसकी जानकारी अनिवार्य रूप से दें।आपका सहयोग समाज एवं राष्ट्रहित में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना हेतु टोल-फ्री सुविधा

अवैध प्रवासियों, संदिग्ध व्यक्तियों अथवा संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने हेतु छत्तीसगढ़ शासन द्वारा टोल-फ्री नंबर 1800-233-1905 जारी किया गया है। नागरिक अपनी सुविधा अनुसार इस नंबर पर कॉल कर जानकारी साझा कर सकते हैं। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। पुलिस ने अपील की है कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक सद्भाव एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के इस महत्वपूर्ण अभियान में राजनांदगांव पुलिस जिले के समस्त नागरिकों, मकान मालिकों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, जनप्रतिनिधियों एवं मीडिया बंधुओं से पूर्ण सहयोग एवं सहभागिता की अपेक्षा करती है। इस मेसेज का कृपया अधिक से अधिक प्रचार करें और सहयोग दें।

अनमोल दावा

मुस्कान एक ऐसी भाषा है, जिसे हर कोई समझ सकता है।

सम्पादकीय

इसरो वैज्ञानिकों के इस्तीफा देने से स्पेस मिशनों को झटका

भारत के सफल चंद्रयान ने हमें गौरवान्वित किया है। अतंरिक्ष संशोधन से देश को ऊंची उड़ान मिली है। भारत का गगनयान मिशन इंसान को अंतरिक्ष में भेजने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहा है। किन्तु, इसी समय ईसरो तथा देश के अन्य अंतरिक्ष संशोधन संस्थाओं के लिए आघातजनक यह कि अंतरिक्ष संशोधन में भारत को शीर्ष स्थान में पहुंचाने वाला ईसरो के 100 के आसपास रहने वाले वैज्ञानिक अचानक ही बेहतर वेतन और अच्छा पद छोड़कर अन्य संस्थाओं में चले गए हैं। इसके बाबत सरकार जो गहरी नींद में थी, अचानक ही जाग उठी है। पिछले अनेक महिनों में ईसरो के 100 से अधिक वैज्ञानिको ने सिलसिलेवार इस्तीफे देकर अन्य संस्थाओं में शामिल हो गए।

इस पर से देश के तमाम नागरिकों के मन में एक प्रश्न जेहन में उठ रहा है कि आखिर वैज्ञानिकों को किसलिए ईसरो जैसी संस्था को छोड़ना पड़ा है? उन्हें अच्छा वेतन, जाब से बेहतर फायदा हो रहा था, शानदार पद होने के बावजुद नौकरी से त्यागपत्र देना यह समझ के बाहर है। भारत के अंतरिक्ष संशोधन क्षेत्र के दो बड़े मिशन चन्द्रयान-3 और गगनयान के लिए युद्ध स्तर पर तैयारियां हो रही हैं। ऐसे समय ही संलग्न वैज्ञानिकों ने नौकरी छोड़कर स्पेश से संबंधित स्टार्टअप में जुड़ना पड़े, यह आश्चर्यजनक है।

अब भारत के बड़े स्पेश मिशन को बड़ा झटका लग सकता है। या तो ये सभी मिशनों में विलम्ब हो सकता है अथवा तो उसे आगे बढ़ाने की दिशा में असफल हो सकता है। वैसे, तमाम संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। निजी कम्पनियां भी भारत में 2020 से स्पेस सेक्टर पर कार्यरत है। नि:संदेह ये निजी कम्पनियां भारत के लिए चुनौती खड़ी कर रही हैं। नए स्टार्टअप अंतर्गत अनेक कम्पनियां सक्रिय हैं। ये भारत के लिए एयरस्पेश सेक्टर्स को अपडेट करने भारी मशक्कत कर रहे हैं। इस क्षेत्र में भी स्पर्धा का दौर चल रहा है। जहां अनुभवी वैज्ञानिकों की आवश्यकता है। शायद, इसीलिए इसरो में कार्यरत वैज्ञानिक इसे बेहतर विकल्प मानकर, बेहतर कैरियर समझते हुए नौकरी छोड़ी है। वे भी नए-नए स्टार्टअप्स में जाब करने प्रेरित हुए हैं, ऐसा प्रतीत होता है।

नई कम्पनियां सेटेलाइट, राकेट, स्पेस बेस्ट सर्विस आदि को जेट गति से आगे बढ़ा सकते हैं। निजी कम्पनियों में बढ़ा हुआ ऊंचा वेतन, ज्यादा लचिलापन और तेजी से काम करने का वातावरण रहता है। वहां बेहतर काम करने के अवसर मिलेंगे। इसरो के अनेक सेवानिवृत अधिकारी और पूर्व के वरिष्ठ अधिकारियों ने ऐरोस्पेस शुरू किया है। इस प्रकार देखें तो वे अनेक प्रकार से भारत के स्पेश मिशन के लिए काम कर रहे हैं। किन्तु, इसरो के प्रोजेक्ट्स को इसके कारण रूकना पड़ेगा। यह अपने आप में ही चिन्ता का विषय है। अपने कैरियर की स्पर्धात्मक दौड़ में भारत के स्पेस मिशन पीछे रह जाए, यह किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं है।

भूख हड़ताल, क्या अब भी इसमें राजनीति बदलने की ताक़त है?

सौतिक बिस्वास

58 दिनों की एक भूख हड़ताल ने भारत के नक्शे में एक बदलाव ला दिया था. अक्तूबर 1952 में पोट्टी श्रीरामुलु ने एक अनशन शुरू किया था. वो जिस मांग का समर्थन कर रहे थे तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू उसका कई बार विरोध कर चुके थे. पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु भाषी लोगों के लिए एक अलग राज्य चाहते थे.

श्रीरामुलु एक शांत स्वभाव के गांधीवादी थे और इससे पहले भी सामाजिक मुद्दों पर कई बार उपवास कर चुके थे. उनका मानना था कि केवल आत्म बलिदान ही दिल्ली की सरकार को उनकी बात सुनने पर मजबूर कर सकता है और ऐसा हुआ भी. अनशन के 58वें दिन श्रीरामुलु की मौत हो गई. इसके बाद तेलुगु भाषी इलाक़ों में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए. सरकारी इमारतों पर हमले हुए, रेलवे लाइनें रोक दी गईं और उस समय फैली अशांति में कई लोगों की मौत होने की भी ख़बरें मिलीं. कुछ ही दिनों बाद नेहरू ने आंध्र राज्य के गठन की घोषणा कर दी. इसके बाद राज्य पुनर्गठन आयोग बनाया गया और अगले कुछ वर्षों में भाषाई आधार पर भारत के राज्यों का पुनर्गठन हुआ. 58 दिनों की एक भूख हड़ताल ने भारत के नक्शे में एक बदलाव ला दिया था.अक्तूबर 1952 में पोट्टी श्रीरामुलु ने एक अनशन शुरू किया था. वो जिस मांग का समर्थन कर रहे थे तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू उसका कई बार विरोध कर चुके थे. पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु भाषी लोगों के लिए एक अलग राज्य चाहते थे. श्रीरामुलु एक शांत स्वभाव के गांधीवादी थे और इससे पहले भी सामाजिक मुद्दों पर कई बार उपवास कर चुके थे. उनका मानना था कि केवल आत्म बलिदान ही दिल्ली की सरकार को उनकी बात सुनने पर मजबूर कर सकता है और ऐसा हुआ भी.

अनशन के 58वें दिन श्रीरामुलु की मौत हो गई. इसके बाद तेलुगु भाषी इलाक़ों में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए. सरकारी इमारतों पर हमले हुए, रेलवे लाइनें रोक दी गईं और उस समय फैली अशांति में कई लोगों की मौत होने की भी ख़बरें मिलीं. कुछ ही दिनों बाद नेहरू ने आंध्र राज्य के गठन की घोषणा कर दी. इसके बाद राज्य पुनर्गठन आयोग बनाया गया और अगले कुछ वर्षों में भाषाई आधार पर भारत के राज्यों का पुनर्गठन हुआ.

शायद यही वजह है कि सात दशक से ज़्यादा समय बाद भी भारत में लोग अपनी मांगों को लेकर भूख हड़ताल का रास्ता चुनते हैं. इसकी ताज़ा मिसाल शिक्षाविद और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक हैं. उनके अनिश्चितकालीन अनशन के कारण उनकी तेज़ी से बिगड़ती सेहत को लेकर चिंता बढ़ रही है.59 वर्षीय वांगचुक पिछले 20 दिनों से दिल्ली के जंतर-मंतर पर भारत में नीट परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर भूख हड़ताल कर रहे थे. लेकिन 21वें दिन सुबह दिल्ली पुलिस उन्हें ज़बरदस्ती सफ़दरजंग अस्पताल लेकर गईवांगचुक 20 दिनों तक पानी के सहारे चल रहे थे. इस दौरान उनका वज़न 9 किलोग्राम से ज़्यादा कम हो चुका है.वो ÷कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी)÷ के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे हैं, जो शिक्षा सुधारों की मांग कर रही है. कॉकरोच जनता पार्टी का उदय एक ऑनलाइन व्यंग्य कैंपेन के तौर पर हुआ था.भारत जैसा कोई दूसरा देश नहीं है, जहां भूख हड़ताल राजनीति का इतना अहम हिस्सा बन गई हो.

दूसरे देशों में प्रदर्शनकारी सड़कें जाम करते हैं या रैलियां निकालते हैं. भारत में भी ऐसा होता है. लेकिन यहां लोग विरोध जताने के लिए खाना भी छोड़ देते हैं.यह परंपरा भारत के गणतंत्र बनने से भी कई सदियों पुरानी है. हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म में स्वेच्छा से त्याग और उपवास को नैतिक महत्व दिया गया है.

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के नेता महात्मा गांधी ने इस पुरानी परंपरा को आधुनिक राजनीति का हिस्सा बना दिया.गांधी का कहना था कि उपवास किसी पर दबाव डालने या उसे ब्लैकमेल करने का तरीक़ा नहीं है. यह एक ऐसा कष्ट है, जिसका मक़सद लोगों की अंतरात्मा को जगाना है, न कि उन्हें मजबूर करना.1918 से लेकर 1948 में अपनी हत्या तक गांधी ने कई बार उपवास किया. उन्होंने धार्मिक हिंसा, जातिगत भेदभाव और राजनीतिक मतभेदों के ख़िलाफ़ अनशन किए. इस तरह %ख़ाली थाली% भारत के स्वतंत्रता संग्राम के सबसे बड़े प्रतीकों में से एक बन गई.एक अनुमान के मुताबिक़, गांधी ने कम से कम 15 बड़े उपवास किए थे. उनका सबसे लंबा उपवास 21 दिन तक चला था.जनवरी 1948 में किया गया उनका आख़िरी उपवास पांच दिनों तक चला और उसने दिल्ली में सांप्रदायिक शांति बहाल करने में मदद की.अपने आख़िरी उपवास से ठीक पहले, 1948 में गांधी ने लिखा था, ÷उपवास वह आख़िरी रास्ता है जिसे एक व्यक्ति तलवार की जगह अपनाता है.1947 में जब गांधी ने कलकत्ता (अब कोलकाता) में सांप्रदायिक दंगों को रोकने के लिए उपवास शुरू किया, तब ब्रिटिश स्वामित्व वाले अख़बार द स्टेट्समैन ने लिखा, राजनीतिक हथियार के रूप में भूख हड़ताल की नैतिकता को लेकर हम वर्षों तक भारत में इसके सबसे बड़े प्रवर्तक गांधी से सहमत नहीं रहे. लेकिन हमारी नज़र में महात्मा गांधी ने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में शायद ही कभी किसी ऐसे उद्देश्य के लिए उपवास किया हो, जो इससे अधिक सीधा, पवित्र और सम्मानजनक हो.

तीन मिनट की कहानी : मालती को मिली स्वतंत्रता

गिरीश बख्शी

बच्चों का खेल था पिंजड़े का तोता पर दयारामजी को तोते को पिंजड़े में देख खराब लगता। तोते को कैद कर आनन्द का अनुभव करना, यह तो सैडिस्ट हुआ-दूसरे को पीड़ा पहुंचाकर सुख प्राप्त करना। वे चाहते कि तोते को स्वतंत्र कर दें। नील गगन में उड़ा दें। पर उनकी इच्छा मन में ही रह जाती। उनका लड़का और बहू ने ही तोते को बड़े उत्साह से पाला था। वे आते-जाते तोते से बातें करते-बोलो मिठ्ठू मियां राधेश्याम-सीताराम! राधेश्याम सीताराम! मिठ्ठूमियां पिंजड़े में इधर-उधर कूद-फॉद करते रहता, कुछ बोल न पाता। और कभी अकेले में दयाराम पिंजड़े के पास खड़े-खड़े भावुक होकर कहते-''पिंजड़े के पंछी रे! तेरा दरद न जाने कोय, विधि ने तेरी कथा लिखी आँसू में कलम डुबोय।''

एक दिन दयाराम को मौका मिल गया। लड़का, बहू और बच्चों को लेकर दोस्त के यहाँ शादी में रायपुर गया। बहू ने जाते-जाते कहा-''बाबूजी! आप भी चलते पर आपको तो अब शादी-वादी में जाना पसन्द नही है इसलिए खाना बनाने वाली शान्ति से कह दिया है वह आपके खाने-पीने की व्यवस्था कर देगी तोते के पिंजड़े में उसके खाने का सामान रख दिया है। आप रात में सिर्फ चादर ढक देंगे। एक दिन की तो बात है।'' बहू यह सब कहते जा रही थी और दयाराम मन ही मन प्लान बना रहे थे। बोले-''बेटी! तुम चिन्ता मत करो। मुझे कोई तकलीफ नहीं होगी। ''पड़ोसी रामरतन के साथ शतरंज में समय कट जाएगा! ''

शाम को चाय-नाश्ता देकर शान्तिबाई जब घर चली गई दयाराम प्रसन्न मन उठे और पिंजड़े के पास जाकर बोले-''आओ मिठ्ठूमियां! हम तुम्हे आजाद कर देते है। नील गगन में आजादी के गीत गाना फिर पिंजड़े में कभी न आना।'' और तोते का पिंजड़ा खोल उसे मुक्त कर दिया तोता देखते ही देखते खुले आकाश में उड़ गया! दयाराम मुग्धभाव से उसकी स्वतंत्रता देखते रहे।

ठीक उसी समय आई बाजू में रहने वाली तेज तर्रार महिला की सीधी शान्त बहू मालती देवी! दयाराम के पैर छूकर प्रणाम कर बोली-''चाचाजी! मै सामने वाली खिड़की से सब देख रही थी कि कैसे आपने पिंजड़े के तोते को स्वतंत्र कर दिया। मै आपसे प्रार्थना करने आई हूँ आप मुझे भी स्वतंत्र करा दीजिए। आप तो जानते है मैं ससुराल में कैसे कैदी जैसी रहती हूँ। और मेरी सास ललिता पवार से कम नही है।' दयाराम हँस उठे-''मैं सब जानता हूँ मालती बेटी! पर मैं तुम्हे कैसे स्वतंत्र करा सकता हूँ। मै तो एक रिटायर्ड आदमी, समय काटने कहानियाँ लिखता हूँ बस!'' मालती ने अधीर होकर उनके हाथ को बड़े अपनेपन से अपने हाथों में लेते हूए कहा- आप सब कुछ कर सकते है चाचाजी! आप तो जानते हैं बाबूजी अपनी पत्नी के अनुसार चलते हैं और 'ये' है कि अपनी माँ से कुछ कह नहीं सकते हैं। वैसे सब समझते हैं जानते है कुछ कहेगे तो उनकी माँ उन्हे 'जोरू का गुलाम' कह कर चुप करा देंगी। दयाराम कुछ कहते कि मालती हड़बड़ा कर उठ बैठी-''मैं चलती हूँ चाचाजी! वो देखिए सासूजी मन्दिर से आ रही हैं। मैं पीछे दरवाजे से निकल जाती हूँ। हाँ! मुझे भी स्वतंत्र करा दीजिए। जहाँ चाह है चाचाजी! वहाँ राह है!''

दयाराम मालती के जीवन की विवशता के बारे में सोचते हुए रामरतन के घर शतरंज खेलने निकल पड़े। रास्ते में पत्रकार प्रकाश बाबू मिल गये। वे एकदम चहक उठे- कैसा सुखद संयोग है चाचाजी! मै आपसे मिलने ही आ रहा था और आप यही---- चलिए वो चबूतरे पर बैठते हैं। मुझे आपको खुश खबरी देनी है।''

दयाराम आराम से बैठकर उत्सुकता से पूछ उठे-''कैसी खुश खबरी भैया!'' प्रकाश बाबू ने बताया-'पत्रकारवार्त्ता के बाद कलेक्टर साहब ने मुझे बुलवाया। कहा-''आप दयारामजी वर्मा को जानते हैं। वे बड़ी अच्छी-अच्छी कहानियां लिखते हैं। शार्ट एण्ड स्वीट। उनकी, 'हड़बड़ी काम, गड़बड़ी का।' कहानी तो काबिले तारीफ है। मैने उन्हे आपसे मिला दूंगा। बड़े सहज-सरल व्यक्ति है। ''प्रकाश बाबू ने घड़ी देख कर कहा-''अभी तो समय है। चलिए चाचाजी! वे अपने आफिस में मिल जाएंगे। मै स्कूटर ले आता हूँ आप यही रहिए!

सहृदय कलेक्टर साहब दयाराम को देख एकदम खड़े हो गये। फिर तो चाय-नमकीन के साथ देर तक बातें होती रहीं दयारामजी ने कहा-''कहानी संग्रह छपने पर आपको भेंट करूंगा कलेक्टर साहब ने आत्मीयता से कहा-''मै सहर्ष स्वीकार करूंगा। मेरे लायक कोई सेवा हो तो कहिए।''दयारामजी को तभी मालती के पति की याद आ गई। वे तहसील में बाबू हैं। उनका नाम यशवन्त श्रीवास्तव, क्लर्क तहसील आफिस कागज पर लिख कर कहा-कृपा कर इनका ट्रांसफर डोंगरगढ़ करा दीजिए। कलेक्टर साहब कुलक से उठे-वाह बिलकुल। दो दिन में यशवन्त को ट्रांसफर आर्डर मिल जाएगा!''

दयारामजी उन्हे बहुत-बहुत धन्यवाद देकर प्रकाश बाबू के साथ घर आ गये। प्रफुल्लित मन सामने बैठक में मजे से बैठ गए! कुछ देर बाद मालती उन्हे बाजार से झोला भर सब्जी-भाजी लोते दिखी। उन्होने बड़ी आतुरता से उसे बुलाया। बोले-''मालती बेटी! मैने तुम्हे स्वतंत्र कर दिया। यशवन्त का ट्रांसफर डोंगरगढ़ हो गया है। दो-तीन दिन में आर्डर उसे मिल जायेगा।'' मालती एकदम भाव विभोर हो गई। उसकी आँखों से आँसू दयारामजी के पेरों पर छू पड़े।

-बालाजी मंदिर के पास, स्टेशन पारा, राजनांदगांव

विचार सरिता

मन में बसे हैं राम 348 : राक्षसों का उत्पात और श्री राम ने वन निवासियों को ढाढ़स बंधाया

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

श्री राम, सीताजी और लक्ष्मण जी ने पहाड़ी ढलान क्षेत्र के एक समतल स्थान की ओर उठते धुएँ की ओर बढ़ना शुरू किया। निकट जाने पर वहाँ अश्वमुनि के आश्रम के स्थान पर कुछ अधजली झोपड़ियाँ थीं। और निकट पहुंचने पर ज्ञात हुआ, जैसे, किसी ने पूरे क्षेत्र का विध्वंस कर दिया हो। वहाँ सामान बिखरा पड़ा था। यह छोटी बस्ती लगभग वीरान थी। श्री राम एक अधजली झोपड़ी के सामने रुके। उन्हें वहाँ मानव उपस्थिति का भान हुआ। उन्होंने पुकारा, ''कोई है? अगर हो तो कृपया बाहर आएँ।''

यह ध्वनि सुनकर हलचल हुई और भग्न अवशेषों के मध्य से एक युवक बाहर आया। कमर से ऊपर अनावृत, नीचे फटी मटमैली धोती और सिर पर एक अस्त-व्यस्त पगड़ी। लक्ष्मण जी ने उस व्यक्ति को सिर से पैर तक देखा फिर उसकी असहाय स्थिति का तत्क्षण अनुमान लगा लेने के बाद उससे पूछा, ''आपका नाम क्या है? संभवतः आप इसी घर में रहते हैं।''

''मेरा नाम धरिया है श्रीमंत!'' उस व्यक्ति ने भयभीत स्वर में कहा।

श्री राम ने उस व्यक्ति के कंधे पर हाथ रखकर उसे आश्वस्त करते हुए कहा, ''निर्भय होओ मित्र! मैं अयोध्या निवासी राम हूँ। अपनी भार्या सीता और अनुज लक्ष्मण के साथ वन क्षेत्र के प्रवास पर हूँ। इन घरों की यह दशा किसने की?''

''प्रणाम महाभट श्रीराम! यह दुर्दशा राक्षसों ने की है। दो दिनों पूर्व कुछ राक्षसों ने यहाँ उत्पात मचाया था। वे अश्वमुनि आश्रम की ओर जा रहे थे। मार्ग में जन संकुल देखकर यहाँ रुक गए और उन्होंने यहाँ भारी विध्वंस कर डाला। यहाँ तक कि मेरे पुत्र वनकु को एक शिला पर दे मारा...''

ऐसा कहते हुए धरिया की आँखों में आँसू आ गाए। श्री राम और लक्ष्मण जी के हाथों में धनुष देखकर धरिया का भय दूर हुआ। पास के एक वृक्ष की ओर से उसकी पत्नी महुआ आती हुई दिखाई दी। सीताजी ने उसे ढाढ़स बंधाया। पुत्र के खोने का दुख उसके मुख पर था। संभवतः अगर महुआ राक्षसों का आक्रमण होते ही नहीं छिपती तो उसके साथ भी अनिष्ट हो जाता।

यह समाचार सुनकर श्री राम और लक्ष्मण जी रोष से भर उठे। तब तक आसपास के कुछ अन्य व्यक्ति वहाँ एकत्र हुए। श्रीराम, लक्ष्मण जी और सीताजी ने वन-निवासियों का मनोबल बढ़ाया। लक्ष्मण जी ने यात्रा-सामग्रियों में से अधिकांश उन वन निवासियों में वितरित किए कर दिए। श्रीराम, सीताजी और लक्ष्मण जी धरिया के बताए मार्ग से बढ़ते हुए अश्वमुनि आश्रम पहुंचे। उस आश्रम में संयोगवश किसी से भेंट नहीं हुई। धरिया के गाँव से होते हुए राक्षस यहाँ पहुँचे होंगे और यहां भी विध्वंस किया होगा। संभवतः ऋषि मुनि इस आक्रमण से पूर्व कहीं छिप गए होंगे। वे अभी तक वापस नहीं लौटे हैं। नष्ट-भ्रष्ट यज्ञ वेदियां राक्षसों की क्रूरता की साक्षी थीं। तीनों यात्री सुतीक्ष्ण आश्रम की ओर बढ़ चले।

(भगवान श्री राम की प्रेरक गाथा विश्व की अनेक भाषाओं की शताधिक रामायणों में लिखी गई है।इस कृतज्ञ लेखक ने इस रचना में श्री राम की महागाथा के विविध प्रसंगों से कथा प्रवाह की प्रेरणा प्राप्त की है। उन्होंने विविध प्रसंगों में अनेक स्थानों पर उन्हें मिलने वाली कृपापूर्ण सूझ के साथ - साथ एक साधारण भक्त की अपनी नवीन रचनात्मक कल्पनादृष्टि का भी सहारा लिया है और रामकथा की मौलिक साहित्यिक प्रस्तुति का प्रयत्न किया है।)

कविता

बीन देखे चोर बाप बरोबर

वोला चोर नई काहे, जब तक धराय नहीं।
चोर होके घलो जी, चोर वोहा कहाय नही।
धराय बीना चोर ह, कोनो ल डराय नही।
न शरमाय न लजाय, मुहु घलो लुकाय नही।
गरजथे अऊ फुसकारथे, जस साप बरोबर,
बीन देखे चोर होथे बाप बरोबर।।
दाहड़ के रेंगथे अऊ, सब झन ल मिलाथे हाथ।
साव सज्जन बरोबर वोहा, मिल के खाथे एक साथ।
गांव अऊ समाज म, उहीच मन पूजाथे।
उज्जर कपड़ा पहिन के, सिकरेट के धुवा उड़ाथे।
ठसन अऊ अकड़ उकर, देखे म साहब बरोबर,
बीन देखे चोर होथे बाप बरोबर।।
पाप ल मिटाय बर, काम करथे पुजारी के।
मनखे चक्कर म फंस जाथे, चोर अऊ जुवारी के।
करजा बोड़ी म बुडे रहिथे, पता नई राहे उधारी के।
सच ह आखिर सच होथे, नई चलय झुठ लबारी के।
भीतर ले डर रहिथे, रेगथे वो तौल नाय बरोबर,
बीन देखे चोर होथे बाप बरोबर।।
काशः चोर के कहु सिंग या पुछी होतिस।
मनखे तन ले जीते जीयत,
कुकुर बिलई पशु होतिस।
भगवान वोला वोसनेच, बना देतेस तय,
चिन्हे बर उकर में अऊ कुछु न कुछु होतिस।
बात ल मिला के गोठियाथे,
चिक्कन चांदो साफ बरोबर,
बीन देखे चोर होथे बाप बरोबर।।

आनंदराम सार्वा अनंत
कु.बो.भाठागांव

राशिफल

मेष — आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात आपके लिए शुभ समाचार लाएगी। आज घर की सुख-सुविधाओं से जुड़ी जरूरतें पूरी करने के लिए आज आप कुछ खास प्रयास करेंगे। आज कामकाजी महिलाओं को अपने काम के लिए किसी संस्था से सहयोग मिल सकता है। उधार दिया गया पैसा आज वापस मिल सकता है।

वृष राशि — आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपके जीवन में नयी खुशियांआयेंगी। आज जो युवा घर से दूर रहकर किसी कॉम्पिटिशन की तैयारी कर रहे हैं, उनका दिन बेहतर गुजरेगा। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को किसी काम के लिए प्रोत्साहनमिल सकता है पदोन्नति के असार है। आज आपके ज्यादातर काम पूरे होंगे।

मिथुन — आज आपका दिन शुभफलदायक रहेगा। घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा सकते हैं। आज निवेश से जुड़ी गतिविधियों में भी व्यस्तता रहेगी और सीनियर्स का सपोर्ट मिलेगा ,उनके अनुभव और सलाह आपके लिए उपयोगी साबित होंगे। आज संतान को करियर में बड़ी सफलता मिल सकती है। आज वाहन सुख मिलने के योग है।

कर्क — आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपको उचित समय की पहचान करनी होगी क्योंकि सही समय पर किया कार्य आपको सफलता दिला सकता है। मित्रों के साथ रिश्ते पहले से आज मजबूत होंगे। बच्चों की किसी जरूरत को पूरा करने के लिए आज आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं।

सिंह — आज आपका दिन मिला-जुला अनुभव देने वाला रहेगा। किसी नजदीकी मित्र से मुलाकात आज मन को खुशी देगी और खास विषयों पर विचार-विमर्श भी होगा। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही बिल्कुल न करें प्रातःकालीन व्यायाम अवश्य करें खुद को एनरजेटिक महसूस करेंगे।

कन्या — आज आपका दिन पहले की अपेक्षा काफी बेहतर रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में नई संभावनाओं को तलाश करने की कोशिश करेंगे। किसी काम के लिए कई दिनों से की जा रही मेहनत का परिणाम आज आपको मिल सकता है। आज आपको बिजनेस में बड़े बेटे का सहयोग मिलेगा। आज महिलाओं को मायके पक्ष से खुशखबरी मिलने वाली है।

तुला — आज आपका दिन बहुत ही उत्तम रहेगा। आज आपकी विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। आज आपको किसी बड़ी कंपनी से जॉब का बुलावा आ सकता है। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं, उन्हें आज सफलता मिलेगी साथ ही आपको खूब मान-सम्मान भी मिलेगा जिससे कुछ नये लोग आपसे जुड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

वृश्चिक — आज आपकी दिनचर्या अनुशासित रहेगी जिससे आपकी समस्त गतिविधियां भी व्यवस्थित होती जाएंगी। उधार दिए हुए पैसों की आज वापसी संभव है। किसी काम की शुरुआत नये सिरे से कर सकते हैं। ऑफिस में सहयोगियों के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे। बॉस आज आपके कार्यों की प्रशंसा करेंगे।

धनु — आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज पुरानी बिजनेस डील आपको अचानक लाभ दिलवा सकती है। आज आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा,आपको समाज के कुछ अच्छे लोगों से जुड़ने का मौका मिलेगा। आज आप किसी सरकारी संस्था के काम में अपना सहयोग दे सकते हैं आपको उस काम के लिए सर्टिफिकेट भी मिल सकता है।

मकर — आज का दिन आपके लिए शुभ अवसर प्रदान करने वाला रहेगा। अगर आज आप बड़ी बिजनेस डील करने जा रहे हैं, तो उसमे निश्चित ही सफल होने के योग बन रहे हैं आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद जरूर लेनी चाहिए। जो छात्र उच्च शिक्षा के लिए किसी अच्छे कॉलेज में दाखिला लेने के लिए परीक्षाएं दे रहे हैं।

कुंभ — आज आपका दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आज के दिन आप जो भी काम शुरु करेंगे, उसमें सफल जरूर होंगे। दोस्तों के साथ आज कहीं घूमने जाने का अवसर मिलेगा। आज विदेश से नौकरी के लिए आपको बढ़िया पैकेज वाला ऑफर मिल सकता है। जो छात्र विज्ञान में रुचि रखते हैं, आज उनका दिन अच्छा रहेगा।

मीन — आज आपको जीवन में कुछ खास मौके मिल सकते हैं। आज आपको किसी ऐसे व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है, जो आपके काम की नई शुरुआत में आपकी मदद करेगा। आज ऑटो पार्ट्स तथा मोबाईल की शॉप चला रहे लोगों को बढ़िया धनलाभ मिलेगा। आज आप खुद को स्वस्थ महसूस करेंगे।

सू- दोकू क्र.103

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.102 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

नवनियुक्त एल्डरमेन का गरिमामय शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

एसडीएम अनिकेत साहू ने दिलाई पद एवं गोपनीयता की शपथ, नगर विकास का लिया संकल्प

डोंगरगांव (दावा)। स्थानीय नगर पालिका परिषद डोंगरगांव के सभाकक्ष में शनिवार को एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नवनियुक्त तीनों एल्डरमेन (नामांकित पार्षदों) ने अपने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं पीठासीन अधिकारी के रूप में डोंगरगांव के एसडीएम अनिकेत साहू उपस्थित रहे। एसडीएम अनिकेत साहू ने शासन द्वारा नामांकित तीनों नए एल्डरमेन गुलशन हिरवानी, दयानंद सेन एवं राजीव वैष्णव को विधि-विधान से शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के तुरंत बाद सभाकक्ष तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। वहां उपस्थित अतिथियों, पार्षदों और नगरवासियों ने नए एल्डरमेन को पुष्पगुच्छ भेंटकर बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। इस अवसर पर नवनियुक्त एल्डरमेन ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर नगर के विकास और जनहित के कार्यों में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। नवनियुक्त एल्डरमैन ने कहा कि हमारा एकमात्र लक्ष्य डोंगरगांव को विकास के पथ पर आगे ले जाना और नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करना है।

जन्मदिवस के अवसर पर हुआ गरिमामय आयोजन

यह आयोजन नगर पंचायत की अंजू त्रिपाठी के जन्मदिवस के विशेष अवसर पर आयोजित हुआ। जिससे समारोह का उत्साह दोगुना हो गया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ जन भरत वर्मा, दिनेश गांधी, लक्ष्मीनारायण गुप्ता और डीकेश साहू ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने तीनों नामांकित पार्षदों को उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराया। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि सभी जनप्रतिनिधि आपसी समन्वय और एकजुटता के साथ नगर के विकास को लक्ष्य बनाकर कार्य करें। समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और पालिका प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

शिक्षकों पर डिजिटल निगरानी, तो संकुल समन्वयकों की उपस्थिति पर क्यों है सन्नाटा ?

छुईखदान (दावा)। प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और स्कूलों में लेटलतीफी रोकने के उद्देश्य से लागू की गई ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था अब खुद विवादों के घेरे में आ गई है। शासन के निर्देशानुसार स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों के लिए वीएसके एप के माध्यम से प्रतिदिन डिजिटल हाजिरी दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है। समय पर उपस्थिति दर्ज न करने पर शिक्षकों के खिलाफ वेतन कटौती जैसी कड़ी दंडात्मक कार्रवाई भी की जा रही है, लेकिन इस पूरी कवायद के बीच छुईखदान विकासखंड में एक बड़ा और गंभीर सवाल यह उठ रहा है कि क्या डिजिटल अनुशासन के ये कड़े नियम सिर्फ कक्षा में पढ़ाने वाले शिक्षकों पर ही लागू होते हैं? निरीक्षण और प्रशासनिक कड़ियों को जोड़ने वाले संकुल समन्वयकों की उपस्थिति पर विभाग में सन्नाटा क्यों पसरा हुआ है?

नियमों में दोहरा मापदंड : आखिर जवाबदेह कौन?

विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विकासखंड के कई संकुल समन्वयक नियमित रूप से अपने तय समय पर कार्यस्थल या निर्धारित कार्यालयों में उपलब्ध नहीं रहते हैं। जबकि दूसरी ओर ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों में तैनात प्राथमिक व माध्यमिक शालाओं के शिक्षक विषम परिस्थितियों में भी प्रतिदिन निर्धारित समय सीमा के भीतर वीएसके के जरिए अपनी उपस्थिति दर्ज करने को बाध्य हैं। इस भेदभावपूर्ण व्यवस्था से शिक्षकों और अभिभावकों में भारी आक्रोश है। लोग पूछ रहे हैं कि यदि शिक्षक ऑनलाइन उपस्थिति न दें तो उनका वेतन रोकने का प्रावधान है, तो फिर इन समन्वयकों की दैनिक उपस्थिति की निगरानी के लिए विभाग ने क्या पैमाना तय किया है?

वीएसके एप से शिक्षक रोज दे रहे ऑनलाइन हाजिरी, भेदभावपूर्ण व्यवस्था से उपजा असंतोष, बीईटो और डीईओ से जवाब मांग रहे शिक्षक व अभिभावक

ये पांच यक्ष प्रश्न खड़े कर रहे हैं विभागीय मंशा पर सवाल

क्या संकुल समन्वयकों को वीएसके एप से उपस्थिति दर्ज करने का नियम नहीं है? यदि उन्हें इस ऐप से छूट मिली है, तो किस विभागीय आदेश के तहत यह विशेषाधिकार दिया गया है? यदि वे कार्यालयीन स्टाफ का हिस्सा हैं, तो क्या उनकी उपस्थिति बायोमेट्रिक प्रणाली से दर्ज हो रही है? यदि दोनों ही डिजिटल प्रणालियां उन पर लागू नहीं हैं, तो उनकी दैनिक हाजिरी और दौरों का भौतिक सत्यापन किस आधार पर किया जा रहा है? क्या निरीक्षण करने वाले खुद निरीक्षण के दायरे से पूरी तरह बाहर हैं?

मंत्री के कड़े निर्देशों की ब्लॉक स्तर पर उड़ रही धज्जियां

उल्लेखनीय है कि पूर्व में स्कूल शिक्षा मंत्री ने अपने सार्वजनिक बयानों में दोटूक कहा था कि शिक्षा विभाग के तमाम छोटे-बड़े अधिकारी और शिक्षक सभी पांचों कार्यदिवस पर अपने-अपने कार्यस्थल और विद्यालयों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे, ताकि शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूत किया जा सके। लेकिन छुईखदान ब्लॉक स्तर पर इस जमीनी हकीकत को देखकर साफ लग रहा है कि उच्च स्तर से जारी निर्देशों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। शिक्षकों का कहना है कि नियम सबके लिए समान होने चाहिए, न कि केवल चाबुक चलाने के लिए शिक्षकों को निशाना बनाया जाए।

पारदर्शिता की शुरुआत शीर्ष से हो : अब कलेक्टर और डीईओ पर टिकी निगाहें

इस गंभीर प्रशासनिक लापरवाही और विसंगति के सामने आने के बाद अब स्थानीय जनता, शिक्षकों और जागरूक अभिभावकों की निगाहें जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ), विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) और जिले के कलेक्टर की ओर टिकी हैं। क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि जिम्मेदार अधिकारी इस मामले का संज्ञान लेंगे और सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करेंगे कि संकुल समन्वयकों की उपस्थिति किस व्यवस्था से दर्ज होती है। यदि डिजिटल इंडिया के तहत पारदर्शिता लानी है, तो इसकी शुरुआत शीर्ष अधिकारियों और समन्वयकों से होनी चाहिए, न कि केवल शिक्षकों से।

केसीजी पुलिस का बड़ा अभियान : यातायात नियमों के उल्लंघन पर 279 चालान, 1.35 लाख से अधिक का जुर्माना

0 परिवहन और पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से जांचे 21 स्कूली वाहन, छुईखदान में आरटीओ शिविर से 126 हितग्राही लाभान्वित

छुईखदान (दावा)। जिला पुलिस खैरागढ़-छुईखदान, गंडई (केसीजी) की यातायात टीम और परिवहन विभाग द्वारा जुलाई माह के प्रथम पखवाड़े में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक व्यापक अभियान चलाया गया। 1 से 16 जुलाई तक चले इस विशेष अभियान के तहत जहां एक ओर चौक-चौराहों, बाजारों और स्कूलों में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहीं नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई भी की गई।

छुईखदान में लगा आरटीओ दस्तावेज शिविर, 126 को मिला लाभ

अभियान की शुरुआत में शनिवार 4 जुलाई को छुईखदान के केकती बाड़ी मैदान में एक विशेष आरटीओ दस्तावेज अद्यतन (अपडेट) एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। राजनांदगांव के अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अनिल भगत के विशेष सहयोग से आयोजित इस शिविर में वाहन स्वामियों को मौके पर ही जरूरी कागजात तैयार कराने की सुविधा दी गई। शिविर में कुल 126 हितग्राहियों ने लाभ उठाया। जिसके तहत 70 लर्निंग लाइसेंस जारी किए गए। 19 वाहनों का बीमा (इंश्योरेंस) किया गया। 21 प्रदूषण प्रमाण-पत्र (पीयूसी) जारी हुए। 16 वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाई गई।

स्कूली वाहनों की गहन जांच, ड्राइवरों को मिला फायर सेफ्टी का प्रशिक्षण

छात्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रविवार 12 जुलाई को खैरागढ़ के राजा फतेह सिंह मैदान में स्कूली वाहनों का विशेष भौतिक निरीक्षण किया गया। संयुक्त टीम ने जिले के 21 स्कूल बसों और वैन की फिटनेस, बीमा, प्रदूषण, अग्निशमन यंत्र (फायर एक्स्टिंग्विशर), फर्स्ट एड किट, पैनिक बटन, स्पीड गवर्नर और इमरजेंसी गेट की बारीकी से जांच की। निरीक्षण के दौरान जिन वाहनों में तकनीकी कमियां पाई गईं, उनके संचालकों को दो दिनों के भीतर सुधार कर पुनः जांच कराने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। साथ ही चालकों-परिचालकों को आपात स्थिति में अग्निशमन यंत्र चलाने की ट्रेनिंग दी गई और माननीय सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) के दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन करने की समझाइश दी गई।

जिला यातायात पुलिस द्वारा नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ मोटरयान अधिनियम के तहत नियमित कार्रवाई की गई। कुल 279 प्रकरणों में 1,35,200 का समन शुल्क (अर्थदंड) वसूला गया। कार्रवाई का बिंदुवार विवरण में बिना नंबर प्लेट 87 मामले (26,100 जुर्माना), तीन सवारी (ट्रिपल लोडिंग) 37 मामले (11,100 जुर्माना), प्रेशर हॉर्न का उपयोग 32 मामले (9,600 जुर्माना), बिना हेलमेट दोपहिया वाहन 25 मामले (2,500 जुर्माना), बिना सीट बेल्ट चार पहिया 5 मामले (2,500 जुर्माना), मालवाहक वाहनों में सवारी बैठाना 2 मामले (600 जुर्माना), शराब पीकर वाहन चलाना (ड्रंकन ड्राइव) 4 मामले (55,000 जुर्माना) व अन्य यातायात नियम उल्लंघन व धाराएं 87 मामले (27,800 जुर्माना) वसूला गया।

लाइसेंस होंगे निलंबित

पुलिस प्रशासन के अनुसार शराब पीकर वाहन चलाते पाए गए चारों चालकों के विरुद्ध इश्तगासा (परिवाद) तैयार कर माननीय न्यायालय में पेश किया जा रहा है। कोर्ट से मामलों का निराकरण होने के तुरंत बाद इन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस को निलंबित करने की कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला पुलिस केसीजी सुरक्षित व सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कलेक्टर चंद्रवाल के तेवर सख्त : 'जल जीवन मिशन' के कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, समय-सीमा में काम पूरे करने के निर्देश

खैरागढ़ (दावा)। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (केसीजी) जिले के प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण पेयजल पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन (डीडब्ल्यूएसएम) की एक महत्वपूर्ण और विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस उच्च स्तरीय बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रेमकुमार पटेल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले में चल रही प्रगतिरत योजनाओं, पेयजल व्यवस्थाओं और लंबित पड़े कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की तथा अधिकारियों को काम की रफ्तार बढ़ाने के कड़े निर्देश दिए। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता प्रदीप खलखो, सहायक अभियंता तहसीन अख्तर खान, सहायक अभियंता दिनेश सिंह, उप अभियंता दिनेश धुर्वे सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं जिला समन्वयक मुख्य रूप से मौजूद रहे।

डीडब्ल्यूएसएम की उच्च स्तरीय बैठक में लंबित योजनाओं की हुई विस्तृत समीक्षा, नक्सल मुक्त क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल पहुंचाने के लिए बनेगी विशेष कार्ययोजना

कैच-अप प्लान के तहत लंबित कार्यों की होगी नियमित मॉनिटरिंग

समीक्षा के दौरान जल जीवन मिशन के तहत अधूरी और धीमी गति से चल रही योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने के लिए सीआईआरपी (कैच-अप इम्प्लीमेंटेशन एंड रिव्यू प्लान) के तहत की जा रही कार्रवाई पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर चंद्रवाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि लंबित कार्यों की अब नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाएगी। उन्होंने निर्माण एजेंसियों और विभागीय अधिकारियों को कार्ययोजना बनाकर तेजी से प्रगति सुनिश्चित करने को कहा। इसके साथ ही वॉटर क्वालिटी मॉनिटरिंग एंड सर्विलांस मद के अंतर्गत जो योजनाएं पूरी हो चुकी हैं। उनके लिए एसएनए ऑनबोर्डिंग के उपरांत भुगतान प्रक्रिया को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूर्ण करने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक का एक प्रमुख संवेदनशील एजेंडा जिले के सुदूर और नक्सलवाद से मुक्त घोषित किए गए क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना रहा। इन क्षेत्रों की जिन बसाहटों में अब तक जल जीवन मिशन का कवरेज नहीं पहुंच पाया है। वहां सुरक्षित पेयजल पहुंचाने के लिए प्रस्तावित कार्ययोजना की गहन समीक्षा की गई। उपस्थित अभियंताओं ने इन वंचित बसाहटों में पाइपलाइन और पेयजल बुनियादी ढांचे के विस्तार हेतु तैयार किए गए तकनीकी प्रस्तावों की जानकारी कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत की। प्रशासनिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर ने जिले की सभी नल-जल योजनाओं के आंकड़ों को आईएमआईएस पोर्टल पर शत-प्रतिशत दर्ज कराने के निर्देश दिए। जिन परियोजनाओं में व्यावहारिक कठिनाइयों के कारण देरी हुई है। वहां आवश्यकतानुसार समय-सीमा विस्तार के लिए प्रस्तावित कार्ययोजना पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा जिले की सबसे महत्वपूर्ण और बड़ी बुड़ानभाठ समूह जल प्रदाय योजना के पुनरीक्षित (रिवाइज्ड) प्रस्ताव की वर्तमान प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

गुणवत्ता और समयबद्धता से कोई समझौता नहीं : कलेक्टर

कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने अधिकारियों को दोटूक लहजे में हिदायत देते हुए कहा– जल जीवन मिशन केंद्र एवं राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली योजना है। इसका एकमात्र उद्देश्य हर ग्रामीण घर तक सुरक्षित, शुद्ध और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है। योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता और समयबद्धता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि तय समय के भीतर जिले के हर अंतिम परिवार को इस बुनियादी सुविधा का लाभ मिल सके।

मनोनीत सभी एल्डरमैन ने गुरुवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर अपने दायित्वों का निर्वहन प्रारंभ किया

डोंगरगढ़ (दावा)। नगर पालिका परिषद में राज्य शासन द्वारा मनोनीत सभी पांच एल्डरमेन ने गुरुवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर अपने दायित्वों का विधिवत निर्वहन प्रारंभ किया। नगर पालिका परिषद के सभागार में आयोजित गरिमामय शपथ ग्रहण समारोह में अनुविभागीय अधिकारी विश्वास कुमार ने सभी नामांकित एल्डरमैन को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले एल्डरमैन में वरिष्ठ भाजपा नेता व अग्रवाल समाज के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष लक्ष्मी यादव, वरिष्ठ भाजपा नेत्री व सामाजिक कार्यकर्ता सविता दरगढ़,युवा समाजसेवी जितेंद्र हिरवानी एवं सामाजिक कार्यकर्ता पूजा नामदेव शामिल हैं। शपथ ग्रहण के पश्चात नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षदों एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने सभी नव-नियुक्त एल्डरमैन का पुष्पमालाओं से स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

नवनियुक्त एल्डरमैन के अनुभव, ज्ञान और सामाजिक सरोकारों का लाभ परिषद् को मिलेगा - रमन डोंगरे

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि एल्डरमैन अपने अनुभव, ज्ञान और सामाजिक सरोकारों के माध्यम से नगर परिषद को नई दिशा देने का कार्य करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि स्वच्छता, शिक्षा, आधारभूत सुविधाओं, सामाजिक विकास तथा जनकल्याण से जुड़े विषयों पर उनके सुझाव शहर के समग्र विकास में महत्वपूर्ण साबित होंगे। साथ ही सभी जनप्रतिनिधियों से मिलकर डोंगरगढ़ को स्वच्छ, सुंदर और आदर्श नगर बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता, नगर पालिका उपाध्यक्ष उमा महेश वर्मा, पार्षदगण तथा नगर पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इनोवेटर और शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक को बलपूर्वक हटाना लोकतांत्रिक मूल्यों पर आघात - विष्णु लोधी

डोंगरगढ़ (दावा)। छत्तीसगढ़ लोधी समाज के प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं जिला कांग्रेस सचिव विष्णु लोधी ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को पुलिस द्वारा धरना स्थल से हटाकर अस्पताल ले जाने की घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण आंदोलन को बलपूर्वक समाप्त करना जनभावनाओं का सम्मान नहीं, बल्कि उन्हें अनसुना करना है।

विष्णु लोधी ने कहा कि देश का युवा अपने भविष्य, निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली और पारदर्शी शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहा है। यह कोई राजनीतिक स्वार्थ का विषय नहीं, बल्कि करोड़ों छात्रों और उनके परिवारों की आशाओं का प्रश्न है।

यदि सरकार के पास युवाओं के सवालों का उत्तर नहीं है तो उनकी आवाज़ को दबाने का प्रयास किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं कहा जा सकता। सरकार आंदोलनकारियों की बात गंभीरता से सुनते हुए लोकतांत्रिक संवाद का रास्ता अपनाए।

छत्तीसगढ़ी ठुमका के फाइनल में पहुंचा सखी डांस ग्रुप

विजेता बनने के लिए चाहिए जनता की ज्यादा से ज्यादा वोट

कल्लूबंजारी (दावा)। छत्तीसगढ़ के प्रथम टीवी रियलिटी शो आईबीसी 24 के छत्तीसगढ़ी ठुमका में शानदार व मनमोहक प्रस्तुति देकर लोगों का दिल जीतने वाले राजनांदगांव जिला के छुरिया विकास खंड के महाराष्ट्र सीमांचल पर स्थित आदिवासी बाहुल्य वनांचल ग्राम बूचाटोला के सखी डांस ग्रुप के नन्हे कलाकारों ने छत्तीसगढ़ के जनता के आशीर्वाद एवं वोट पाकर फाइनल मुकाबला में पहुंचने में कामयाब हुए है। अब उन्हें फाइनल मुकाबला में विजेता बनने के लिए जनता की ज्यादा से ज्यादा वोट की जरूरत है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के नन्हे लोक कलाकारों के नृत्य प्रतिभा को उचित स्थान व मंच प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ में प्रथम छत्तीसगढ़ी टीवी रियलिटी शो आईबीसी 24 के छत्तीसगढ़ी ठुमका का प्रतियोगिता आयोजित की गई है। इस प्रतियोगिता के लिए छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के 100 टीम को चयनित किया गया था। जिनमें से लगातार अपने कला प्रतिभा को प्रदर्शित कर सखी डांस ग्रुप बूचाटोला के नन्हे कलाकारों ने पहले टॉप फिफ्टीन उसके बाद टाप ट्वेन्टी, उसके बाद टाप टेन उसके बाद टाप सेवन में स्थान बनाया। फाइनल मुकाबला के लिए पांच टीम पहले से पहुंच चुकी थी। टाप सेवन से टाप सिक्स में पहुंचने के लिए जनता की वोट एवं सपोर्ट की जरूरत थी। फाइनल सिक्स में पहुंचने के लिए सखी डांस ग्रुप बूचाटोला के टीम के सदस्य लगातार जनप्रतिनिधियों एवं जागरूक जनता से मिलकर अपने लिए वोट एवं सपोर्ट करने के लिए अपील किया। गत 15 जुलाई की रात 12 बजे वोट करने की अंतिम तिथि थी तथा 16 जुलाई को परिणाम का घोषणा किया जाना था। 16 जुलाई को शाम घोषित परिणाम के अनुसार सखी डांस ग्रुप बूचाटोला फाइनल 6 में महत्वपूर्ण स्थान पाने में कामयाब रहा। इस तरह से अब सखी डांस ग्रुप बूचाटोला के नन्हे कलाकार छत्तीसगढ़ी ठुमका के फाइनल मुकाबला के लिए सामिल हो चुका है। फाइनल मुकाबला में विजेता बनने के लिए जनता की वोट एवं सपोर्ट की जरूरत है। सखी डांस ग्रुप बूचाटोला के नन्हे कलाकारों ने सोसल मीडिया में अपना बायो लिंक शेयर कर लोगों से ज्यादा से ज्यादा वोट करने की अपील की है। सखी डांस ग्रुप बूचाटोला के सफलता की कहानी बहुत ही रोचक एवं संघर्ष पूर्ण है। सखी डांस

गांव के गलियों से रायपुर के टीवी रियलिटी शो मंच तक शानदार सफर

ग्रुप के कलाकारों के अभ्यास के लिए गांव में कोई उपयुक्त शासकीय या अशासकीय भवन नहीं है। ये कलाकार कभी गांव के सकरी गलियों में, कभी योगेश तारम के मकान के कमरा में, कभी स्कूल के खुले मैदान में अभ्यास करते हैं। इस तरह गांव की सकरी गलियों से निकल कर रायपुर के टीवी रियलिटी शो आईबीसी 24 के छत्तीसगढ़ी ठुमका के मंच तक का सफर काफी संघर्षपूर्ण, रोचक एवं शानदार रहा है। रखी डांस ग्रुप बूचाटोला के सभी सदस्य आदिवासी समाज के गरीब परिवार से है। उनके माता-पिता खेतिहर मजदूर है। सखी डांस ग्रुप विगत चार सालों से संचालित है तथा छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र के सीमावर्ती गांवों में होने वाली रिकार्डिंग डांस प्रतियोगिता में भाग लेकर क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी एक अलग एवं विशिष्ट पहचान बनाने में कामयाब हुए है। इसके अलावा महाराष्ट्र के नागपुर नगर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के ट्राइबल डांस प्रतियोगिता एवं राजनांदगांव मंड़ई में आयोजित जिला स्तरीय डांस प्रतियोगिता प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने नृत्य का लोहा मनवा चुके हैं। सखी डांस ग्रुप बूचाटोला के नन्हे कलाकार स्थानीय शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 8वीं, 9वीं, 10वीं एवं 11वीं की छात्राएं है। ये सभी कलाकार पढ़ाई में भी अच्छे है। विद्यालय के शिक्षकों का भी इनको सपोर्ट मिलता है। इनके माता-पिता गुरूजनों के साथ साथ गांव के जागरूक लोगों का भी सपोर्ट मिलता है।

इन नन्हे कलाकारों को आगे बढ़ाने में मार्गदर्शक एवं प्रेरणा स्त्रोत दिनेश कुरेटी 'दिलेर, कोरियोग्राफर जीनू राम वर्मा, संरक्षक द्वय योगेश तारम एवं तीरथ तारम, साज-सज्जा एवं मेकअप प्रभारी शशि कंवर एवं तानी तारम विशेष योगदान दे रहे है। सखी डांस ग्रुप बूचाटोला के आठ सदस्यी नन्हे कलाकारों में दिशा हारमें, खुशबू उइके, करूणा मंडावी, लाकेश्वरी कोमरे, गायत्री कंवर, पूनम मंडावी, मीनाक्षी कोमरे एवं यशोदा उइके सामिल है। अपने ग्रुप सखी डांस ग्रुप बूचाटोला के नामकरण के संबंध ये कलाकार बताते है कि ये सभी कलाकार गोंड़ एवं कंवर आदिवासी समाज से संबंध रखते है। विद्यालयीन समय में सखी-सहेलियां की तरह साथ-साथ रहते है तथा सम-विषम अलग-अलग गोत्र के होने के कारण आपस में कोई बहन तो कोई समधन के रिश्तों से जुड़ते है। चूंकि सभी नन्ही लड़कियां है, इसलिए आदिवासी समाज में सम-विषम गोत्रज की लड़कियां आपस में सखी लगती है। इस तरह से सखी डांस ग्रुप का नामकरण हुआ है। सखी डांस ग्रुप के नन्हे कलाकारों ने लोगों से बायोलिंक के माध्यम ज्यादा से ज्यादा वोट देकर फाइनल मुकाबला में विजेता बनाने के लिए आशीर्वाद प्रदान करने की अपील की है।

पहला कॉलम...

अमिताभ बच्चन फिर संभालेंगे केबीसी होस्ट की कमान

नई दिल्ली। मेगास्टार अमिताभ बच्चन कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18 के साथ छोटे पर्दे पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह इस पॉपुलर क्विज शो के 18वें सीजन को होस्ट करते नजर आएंगे। नए सीजन में देश के अलग-अलग हिस्सों से आए कंटेस्टेंट्स का मशहूर 'हॉट सीट' पर स्वागत किया जाएगा। यह शो ग्रैंड प्राइज जीतने के मौके के लिए उनकी जानकारी और स्किल्स को परखेगा। सोनी टीवी ने सोशल मीडिया पर कई प्रोमो शेयर कर इसके नए फॉर्मेट के बारे में भी बताया है, जो बहुत ही खास होने वाला है। इस बार कंटेस्टेंट्स को सोचना पड़ेगा। अमिताभ बच्चन इस शो के नए सजीन के साथ फिर से वापसी के लिए तैयार हैं। शो के मेकर्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर 'कौन बनेगा करोड़पति 18' के नए प्रोमो जारी किए हैं, जिनमें होस्ट अमिताभ बच्चन को रोजमर्रा की स्थितियों में दिखाया गया है। इन प्रोमो में बताया गया है कि आज जानकारी आसानी से मिल जाती है और टेक्नोलॉजी ने लोगों के सीखने का तरीका बदल दिया है, लेकिन सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि जानकारी का समझदारी से इस्तेमाल कैसे किया जाए। इसमें यह भी बताया गया है कि सोचना और सही फैसले लेना भी जरूरी है। ऐसे में कंटेस्टेंट्स को सिर्फ चीजें याद रखने के बजाय सोचने-समझने पर भी ध्यान देना होगा।

विझिंजम बंदरगाह 18 अगस्त से निर्यात-आयात का पूर्ण परिचालन शुरू करेगा

नई दिल्ली । केरल का विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह 18 अगस्त से पूर्ण निर्यात-आयात परिचालन शुरू करेगा, जिससे यह एक प्रमुख वैश्विक कार्गो प्रवेश द्वार बन जाएगा। यह कदम लॉजिस्टिक्स लागत कम करेगा और 'मिशन समुद्र' के तहत आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देगा। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। केरल सरकार ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह 18 अगस्त से पूर्ण निर्यात-आयात परिचालन शुरू करेगा। यह बंदरगाह अब एक ट्रांसशिपमेंट केंद्र से पूर्ण अंतरराष्ट्रीय कार्गो प्रवेश द्वार में बदल जाएगा। मुख्यमंत्री वी डी सतीशन पहले निर्यात कंटेनर को हरी झंडी दिखाएंगे। इस महत्वपूर्ण अवसर पर राज्य सरकार मिशन समुद्र कारोबार शिखर सम्मेलन का आयोजन करेगी। यह शिखर सम्मेलन वैश्विक शिपिंग कंपनियों, लॉजिस्टिक्स कंपनियों, निर्यातकों, निवेशकों और उद्योग जगत के अग्रणी लोगों को एक साथ लाएगा। राज्य सरकार अपनी दीर्घकालिक समुद्री विकास पहल मिशन समुद्र का भी आधिकारिक अनावरण करेगी। साथ ही, यह समुद्री-नेतृत्व वाली आर्थिक वृद्धि के लिए केरल का दृष्टिकोण प्रस्तुत करेगी।

रूस पर यूक्रेन का ड्रोन हमला, सात लोगों की हुई मौत

मास्को। यूक्रेन ने शनिवार तड़के रूस के कई इलाकों पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले किए। रूसी अधिकारियों के अनुसार, मास्को से दक्षिण-पूर्व स्थित तांबोव क्षेत्र के कोटोव्स्क शहर में एक लॉजिस्टिक्स सेंटर पर हुए ड्रोन हमले में 7 कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि 24 से 25 लोग घायल हुए हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, तांबोव के गवर्नर येवगेनी पेर्विशोव ने बताया कि हमला रूस की सबसे बड़ी ऑनलाइन रिटेल कंपनी वाइल्डबेरीज के स्वामित्व वाले वेयरहाउस पर हुआ। उनके मुताबिक, सभी मृतक नाइट शिफ्ट में काम कर रहे थे। गवर्नर ने दावा किया कि रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले 28 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। उन्होंने कहा कि यदि सभी ड्रोन अपने निशाने तक पहुंच जाते, तो नागरिक हताहतों की संख्या कहीं अधिक हो सकती थी। वहीं समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार एक अलग घटना में ड्रोन हमले से एक तेल डिपो में आग लग गई। इसकी जानकारी मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने दी। उन्होंने बताया कि ड्रोन के मलबे के गिरने से नोगिंस्क शहर के एक तेल डिपो में आग लग गई।

पाकिस्तान में एचआईवी का प्रकोप 78 बच्चों की जान को खतरा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची में एक सरकारी अस्पताल में इन्फेक्शन कंट्रोल और मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट में गंभीर खामियों के कारण एचआईवी का प्रकोप फैल गया है, जिससे 78 बच्चे संक्रमित हुए हैं। करीची के इलाके में सिंध एम्प्लॉइज सोशल सिक्योरिटी इंस्टीट्यूशन द्वारा चलाए जा रहे है वालिका अस्पताल की जांच में पता चला हा कि सिरिंज से सुईयां हाथ से निकाली जा रही थीं, स्टरलाइजेशन के उपाय अपर्याप्त थे और बिना ट्रेनिंग वाले कर्मचारी दूषित कचरे को संभाल रहे थे। सिंध हेल्थकेयर कमीशन ने सरकारी अस्पताल का रेगुलेटरी निरीक्षण किया और पाया कि इस्तेमाल की गई सुइयों को शार्प्स बिन में नहीं डाला जा रहा था। अस्पताल के कर्मचारी यह नहीं बता पाए कि निकाली हुई सुईयां कहां गईं या उन्हें कैसे डिस्पोज किया गया।

फीफा विश्व कप 2026 फाइनल : स्पेन या अर्जेंटीना, किसके सिर सजेगा ताज?

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 का फाइनल मुकाबला 20 जुलाई रात 12:30 (भारतीय समय के अनुसार) मौजूदा यूरोपीय चैंपियन स्पेन और मौजूदा विश्व तथा दक्षिण अमेरिकी चैंपियन अर्जेंटीना के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमें शानदार प्रदर्शन के दम पर फाइनल में पहुंची हैं।

सेमीफाइनल में स्पेन ने प्रबल दावेदार फ्रांस को एकतरफा अंदाज में हराकर फाइनल का टिकट कटाया। पूरे मुकाबले में स्पेन ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और सटीक आक्रमण के दम पर फ्रांस को कोई मौका नहीं दिया। स्पेन ने ग्रुप चरण में ग्रुप-एच में शीर्ष स्थान हासिल किया। टीम का पहला मुकाबला केप वर्डे के खिलाफ गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ। इसके बाद स्पेन ने सऊदी अरब को 4-0 और उरुग्वे को 1-0 से हराकर नॉकआउट चरण में जगह बनाई। नॉकआउट दौर में स्पेन ने ऑस्ट्रिया को 3-0 से हराया। इसके बाद पुर्तगाल पर 1-0 और बेल्जियम पर 2-1 की रोमांचक जीत दर्ज की। बेल्जियम के खिलाफ स्पेन ने टूर्नामेंट में अपना पहला गोल खाया। अब स्पेन 2010 के बाद पहली बार विश्व कप फाइनल खेलेगा, जब उसने पहली बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। अर्जेंटीना लगातार दूसरे विश्व कप फाइनल में मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने भी रोमांचक सफर तय करते हुए लगातार दूसरी बार विश्व कप फाइनल में जगह बनाई है। ग्रुप चरण में अर्जेंटीना ने अल्जीरिया को 3-0, ऑस्ट्रिया को 2-0 और जॉर्डन को 3-1 से हराया। कप्तान लियोनेल मेसी अब तक टूर्नामेंट में 8 गोल कर चुके हैं, जबकि विश्व कप इतिहास में उनके कुल गोलों की संख्या 21 हो गई है।नॉकआउट चरण में अर्जेंटीना ने अतिरिक्त समय में केप वर्डे को 3-2 से हराया। इसके बाद मिस्र के खिलाफ 0-2 से पिछड़ने के बावजूद शानदार वापसी करते हुए 3-2 से जीत दर्ज की।

क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना ने स्विट्जरलैंड को अतिरिक्त समय में 3-1 से हराया। वहीं सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 2-1 से जीत हासिल की।

पीवी सिंधु ने जापान ओपन के फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली। भारतीय स्टार महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में चीन की खिलाड़ी चेन यूफेई के खिलाफ शानदार प्रदर्शन देखने को मिला और वह फाइनल के लिए अपनी जगह को पक्का करने में कामयाब हो गई हैं। पीवी सिंधु पहली बार अपने करियर में जापान ओपन के फाइनल में पहुंचने में सफल हो पाई हैं।

चीन की खिलाड़ी के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबला सिंधु के लिए आसान नहीं था क्योंकि इससे पहले पिछले 5 मुकाबलों में उनको हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच के पहले सेट को सिंधु ने काफी करीबी अंतर से अपने नाम किया था तो वहीं दूसरे सेट में जब वह 15-10 से आगे थी तो वहीं उसी दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण यूफेई को मैच के दूसरे गेम में हटना पड़ा। अब 19 जुलाई को होने वाले फाइनल मैच में पीवी सिंधु का सामना अकाने यामागुची और कुसुमा वर्दानी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता खिलाड़ी से होगा।

फीफा वर्ल्ड कप फाइनल से पहले स्पेन को बड़ी राहत, फिट हुए लामिन यामल

न्यूयॉर्क। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले से पहले स्पेन के लिए राहत भरी खबर आई है। अर्जेंटीन के खिलाफ होने वाले खिताबी मुकाबले के लिए टीम के युवा स्टार फॉरवर्ड लामिन यामल अब पूरी तरह फिट हैं। इस बात की जानकारी टीम के हेड कोच लुइस डे ला फुएंते ने दी है।

19 वर्षीय यामल को फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल मैच के बाद लंगड़ाते हुए देखा गया था। उस मुकाबले में स्पेन ने 2-0 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई थी। चोट के कारण यामल गुरुवार को टीम के अभ्यास सत्र में शामिल नहीं हुए थे। इससे उनके फाइनल खेलने को लेकर सवाल उठने लगे थे।

हालांकि, डे ला फुएंते ने सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा कि यामल को जोरदार चोट लगी थी, जिससे काफी दर्द हो रहा था। एहतियात के तौर पर उन्हें आराम दिया गया था। कोच ने बताया कि शुक्रवार के अभ्यास सत्र में यामल ने अपने साथियों के साथ पूरी ट्रेनिंग की और अब वह फिट हैं।

कोच ने कहा कि शनिवार का अभ्यास सत्र टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा। अगर किसी खिलाड़ी को आखिरी समय में कोई परेशानी होती है तो उसे ठीक होने का मौका नहीं मिलेगा।

कैफ बोले- विश्व कप में कोहली-रोहित जैसे खिलाड़ियों के अनुभव की जरूरत, मेसी का दिया उदाहरण

नई दिल्ली। रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर चल रही तमाम तरह की अटकलों के बीच भारत के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने भारतीय बल्लेबाज का समर्थन किया है। कैफ का मानना है कि रोहित-कोहली के अनुभव की जरूरत भारतीय टीम को अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप में पड़ेगी।

कैफ ने 'क्रिकबज' के साथ बात करते हुए कहा, 2027 का फेज काफी महत्वपूर्ण होगा। लोग रोहित शर्मा और विराट कोहली को लेकर बातें कर रहे हैं, क्योंकि यह विश्व कप आसान नहीं होगा। कंडिशंस अलग होंगी, पिच में बाउंस होगा, जिसको देखते हुए भारत को इन दोनों खिलाड़ियों की जरूरत पड़ेगी। हमें उनकी जाहिर तौर पर आवश्यकता है। यह दोनों खिलाड़ी जितने ज्यादा मैच खेलेंगे उतना ही अधिक अच्छी फॉर्म में रहेंगे। कैफ ने अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के कप्तान लियोनेल मेसी का उदाहरण देते हुए कोहली-रोहित की अहमियत समझाई। उन्होंने कहा, मेसी 39 साल के हैं और उनकी टीम फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में पहुंच गई है। उन्होंने सेमीफाइनल में कोई गोल नहीं किया, लेकिन दो असिस्ट जरूर किए। अनुभव यही चीज लेकर आता है। जब आपके पास युवा खिलाड़ी होते हैं, जो काम को अंजाम दे सकते हैं, तो ऐसे में अनुभवी प्लेयर्स उन्हें गाइड करने और उनके लिए मौका बनाने में मदद करते हैं। मेसी जैसे अर्जेंटीना के लिए भूमिका निभा रहे हैं, वैसे ही वर्ल्ड कप में विराट कोहली और रोहित शर्मा भारत के लिए अहम रोल निभाएंगे।

कैफ ने आगे कहा, चाहे फुटबॉल हो या फिर क्रिकेट, अनुभव बड़ा रोल अदा करता है। विराट कोहली और रोहित शर्मा की गिनती वनडे क्रिकेट के सबसे दिग्गज खिलाड़ियों में की जाती है। इसी वजह से उनकी भारत को 100 प्रतिशत जरूरत है, खासकर साउथ अफ्रीका की परिस्थितियां और शुभमन गिल की कप्तानी में। रोहित शर्मा का प्रदर्शन इंग्लैंड के खिलाफ खेली जा रही वनडे सीरीज के पहले दो मुकाबलों में कुछ खास नहीं रहा है। हालांकि, कोहली ने जरूर दूसरे वनडे में 65 रनों की दमदार पारी खेली थी।

सरकार का दावा : पीएम-अजय योजना ने बदली लाखों लोगों की जिंदगी, हजारों गांव हुए आदर्श ग्राम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) के तहत अनुसूचित जाति (एससी) समुदायों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार के अनुसार, यह योजना गरीबी कम करने, आजीविका के अवसर बढ़ाने और बुनियादी ढांचे के विकास के जरिए एससी समुदाय के जीवन स्तर में सुधार ला रही है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि सरकार की यह प्रमुख योजना टेक्नोलॉजी आधारित और परिणामोन्मुख (आउटकम ओरिएंटेड) कार्यप्रणाली के जरिए समावेशी विकास को बढ़ावा दे रही है।

बयान के अनुसार, पीएम-अजय योजना के आदर्श ग्राम घटक के तहत देश भर के 47,316 गांवों को शामिल किया गया है, जिससे अब तक 47 लाख 59 हजार 399 नागरिकों को लाभ मिला है।

मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि योजना के तहत अब तक 46,782 विकास कार्य पूरे किए जा चुके हैं, जबकि 24,133 विलेज डेवलपमेंट प्लान (वीडीपी) तैयार किए गए हैं। इसके अलावा, 16,759 गांवों को आदर्श ग्राम घोषित किया जा चुका है। इससे अनुसूचित जाति बहुल गांवों में बुनियादी ढांचे, मूलभूत सुविधाओं और जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2026-27 में तीन छात्रावास परियोजनाओं के निर्माण के लिए 22.50 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं, जिनमें दो छात्रावास छात्राओं के लिए होंगे। इन परियोजनाओं के माध्यम से 750 विद्यार्थियों को आवास सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

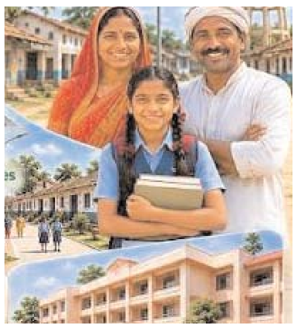

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि पीएम-अजय योजना अनुसूचित जाति समुदाय के सामाजिक और आर्थिक अंतर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह योजना लक्षित हस्तक्षेपों और विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से एससी समुदाय को सशक्त बनाने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि यह योजना समुदायों को सशक्त बनाने, जमीनी स्तर की संस्थाओं को मजबूत करने और जनभागीदारी के माध्यम से समावेशी विकास सुनिश्चित करती है। योजना के आदर्श ग्राम घटक के तहत अनुसूचित जाति की अधिक आबादी वाले गांवों का समग्र विकास किया जाता है। इसके लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण और समुदाय की भागीदारी से विकास योजनाएं तैयार की जाती हैं।

भारतीय नागरिक ही घरेलू टूर्नामेंट में खेल सकते हैं - बीसीसीआई

नई दिल्ली। बॉम्बे हाई कोर्ट में ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया यानी ह्यष्टद्ध कार्ड होल्डर्स रखने वाले 12 युवा क्रिकेटरों ने क्च्ष्टद्ध के साल 2023 के उस फैसले को लेकर याचिका दायर की थी, जिसमें विदेशी जिनमें भारतीय मूल के व्यक्ति यानी क्कढ्ढह्र या ह्यष्टद्ध कार्ड होल्डर शामिल हैं पासपोर्ट रखने वालों को बोर्ड द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए अयोग्य घोषित किया गया था। इस मामले की 17 जुलाई को हुई सुनवाई में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कोर्ट में बताया कि भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली राष्ट्रीय टीम में चुने जाने के लिए सिर्फ भारतीय नागरिकों पर ही विचार किया जाता है। ऐसे में ह्यष्टद्ध कार्ड होल्डर्स को घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की मंजूरी नहीं है।

बॉम्बे हाई कोर्ट में इस याचिका की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश रवींद्र घुगे और न्यायाधीश गौतम अंखाद की खंडपीठ ने की जिसमें कोर्ट का मानना था कि खिलाड़ियों का भविष्य विदेश में बेहतर हो सकता है। जजों ने कहा कि आप वहां क्यों नहीं खेलते? वहां आपके चुने जाने के बेहतर मौके हो सकते हैं, क्योंकि भारत में तो हर कोई क्रिकेट खेलता है।

छत्तीसगढ़ विधानसभाः सरकार के खिलाफ अविश्वास....

में रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पांच वर्षों में जिन योजनाओं को रोका या कमजोर किया, वर्तमान सरकार ने उन्हें पुनर्जीवित किया। महिलाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से करोड़ों रुपये सीधे महिलाओं के खातों में पहुंचे हैं। स्व-सहायता समूहों को पुनः कार्य दिए गए हैं और लाखों महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि संपत्ति पंजीयन में महिलाओं को दी गई रियायतें उनके आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। कृषि क्षेत्र पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, विद्युत सब्सिडी में वृद्धि और कृषि अधोसंरचना के विकास पर रिकॉर्ड निवेश किया गया है। उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र में पैक्स के कंप्यूटरीकरण, कॉमन सर्विस सेंटरों के विस्तार तथा किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध कराने के कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिली है। आदिवासी विकास का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार ने तेंदूपत्ता संग्राहकों का पारिश्रमिक बढ़ाया, चरणपादुका योजना पुनः शुरू की, वनाधिकार से जुड़े निर्णय लिए और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान तथा प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय वर्गों तक विकास पहुंचाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल का विस्तार, खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स और जनजातीय संग्रहालय जैसी पहलें आदिवासी समाज के सम्मान और विकास का प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में कानून व्यवस्था कमजोर हुई, जबकि वर्तमान सरकार ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया है। रायपुर में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू की गई, डायल-112 का विस्तार हुआ और साइबर अपराधों से निपटने के लिए नए साइबर थाने स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में राज्य नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक सफलता की ओर बढ़ा है। सरकार युवाओं के लिए सरकार की पहलों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल का गठन, पुलिस भर्ती, पांच नए शासकीय मेडिकल कॉलेज, मुख्यमंत्री एआई मिशन, प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए सहायता योजना, शिक्षा सहयोग योजना, आईटीआई उन्नयन तथा नवा रायपुर को शिक्षा और नवाचार के केंद्र के रूप में विकसित करने जैसे निर्णय भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर लिए गए हैं। औद्योगिक विकास पर मुख्यमंत्री ने कहा कि नई औद्योगिक नीति और निवेशक अनुकूल वातावरण के कारण राज्य को 8 लाख 23 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा सेंटर और ऊर्जा क्षेत्र में बड़े निवेश प्रस्ताव राज्य के औद्योगिक भविष्य को नई दिशा देंगे। ऊर्जा क्षेत्र पर कांग्रेस और भाजपा सरकार की तुलना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार बिजली उपभोक्ताओं को रियायती बिजली से आगे बढ़ाकर मुफ्त बिजली की दिशा में ले जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 76 हजार से अधिक घरों में सोलर प्लांट लगाए जा चुके हैं और प्रतिदिन 500 से अधिक नए संयंत्र स्थापित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सदन में टिप्पणी करते हुए कहा कि कांग्रेस के कई नेताओं ने भी अपने घरों में सोलर प्लांट लगवा लिए हैं, इसलिए कम से कम इस योजना का विरोध तो नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना के तहत 12 लाख से अधिक उपभोक्ताओं का 910 करोड़ रुपये का सरचार्ज माफ किया गया है। सिंचाई पंपों के ऊर्जीकरण, विद्युत सब्सिडी, पारेषण क्षमता, नए उपकेंद्रों, ट्रांसफार्मरों तथा ऊर्जा उत्पादन में वर्तमान सरकार ने पूर्ववर्ती सरकार की तुलना में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि राज्य ने प्लांट लोड फैक्टर के मामले में देश में पहला स्थान प्राप्त किया है और भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए नई ताप विद्युत, पम्प स्टोरेज और सौर ऊर्जा परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है।

अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में भूपेश....

कहा कि मनमोहन सिंह के बारे में आप तो रहने दीजिए जब वह बोलते थे तब पूरी दुनिया सुनती थी, लेकिन अब प्रधानमंत्री का अमेरिका ने 75 बार अपमान कर चुका है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने तो ये तक कहा है कि उनका राजनीतिक करियर बर्बाद कर सकता हूँ। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव पर सत्तापक्ष का जवाब घिसपिटा था। अजय चंद्राकर जब बोलते थे तब दिल से आवाज नहीं निकल रही थी। सुनकर मजा नहीं आ रहा था। हम वही गौठान, वही धान खरीदी सब सुन रहे थे। आज सरकार क्या कर रही है? आज रकबा की कटौती नहीं हो रही है। हर किसान पटवारी और तहसीलदार के चक्कर लगा रहे हैं। सरकार की धान खरीदी की व्यवस्था पूरी तरह से फेल रही है। हमारे आरोप पत्र में एक-एक गड़बड़ी

प्रथम पृष्ठ का शेष....

शामिल की गई है। जब से साय सरकार आई है धान भीग रहा है। धान सड़ रहा है। धान अब तक संग्रहण केंद्र में रखा है। डबल इंजन सरकार का सिर्फ एक लाभ मिला है कि धान जमा करने की मियाद केंद्र से अप्रैल तक मिल था। उसके बाद भी जमा नहीं किया जा सका। प्रताड़ित सोसाइटी के लोग हो रहे हैं। किसानों मो डीएपी उपलब्ध नहीं कराया जा सका है। आप युद्ध की बात करते हैं लेकिन इसका असर सरकार को ही क्यों पड़ रहा है। प्राइवेट कपनियों को क्यों नहीं पड़ा है। सरकार एक काम अच्छा कर रही है कि पहले शॉर्टेज क्रिएट कर दो और बाजार में ऊँचे दाम पर ख़रीदो। किसान आज इसी शॉर्टेज से महंगे दाम पर बाजार से ख़रीदने पर मजबूर है। आज प्रति बोरी किसानों को सात सौ रुपए से अधिक का नुकसान हो रहा है। किसान यूरिया, पोटाश डालने का आदि है लेकिन सरकार एनपीए दे रही है। सरकार किसानों के साथ साजिश कर रही है। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि कहीं कोई समस्या नहीं है। आप लोगों को भरमाने की आदत है। किसानों को कम से कम छोड़ दो। भूपेश बघेल ने पूछा कि किसान अगर दो बोरी यूरिया एक एकड़ खेत में डाल रहा है और अब एनपीके डाल रहा है तो इसका कितना अनुपात होगा? बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ किसानों का प्रदेश है। मैंने जब ये देखा कि अलग-अलग जगह अलग-अलग खाद है तो कोई इसकी स्थिति बताने को तैयार नहीं है। मैं जब सोसाइटी घूमने लगा तो सरकार उन-उन जगहों पर पहुँचाने लगी। हमारी सरकार में हमने कोरोना के वक्त पर भी किसानों को किसी तरह की समस्या होने नहीं दिया। यूपी जैसे राज्यों में किसान रो रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि सरकार किसानों को ठगने का काम कर रही है। राज्य की 70 फीसदी आबादी किसानों की है। कृषि मंत्री कह रहे थे कि धान के बदले दूसरी फसल लें तो प्रोत्साहन देंगे लेकिन कितने किसानों को ये राशि दी गई? हमारी सरकार थी तब हमने 15 हज़ार रुपए प्रति एकड़ दिया था। लोगों की आय कैसे खत्म हो इसका षड्यंत्र सरकार ने किया है। भूपेश बघेल ने कहा कि ये स्थिति राज्य में पहली बार बनी है कि तेंदूपत्ता ख़रीदने के लिए सरकार को कर्ज लेना पड़ा। गरीबों की हित की बात सरकार कर रही है लेकिन महतारी वंदन की बात हो या दूसरी बगैर इंटरनेट के काम नहीं होता। लोगों को कई-कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता है।

उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका, 6 बागी....

भूपालसिंह निंबालकर, संजय दीना पाटिल, संजय उत्तमराव देशमुख और नागेश बापुराव पाटिल आष्टीकर शामिल हैं।

0 शिंदे बोले- यह 2022 की बगावत का दूसरा चरणः सांसदों के शामिल होने के मौके पर एकनाथ शिंदे ने कहा था कि वह सभी छह कट्टर शिवसैनिक सांसदों का बालासाहेब ठाकरे और आनंद दिघे की विचारधारा वाली असली शिवसेना में स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि 2022 में 40 विधायकों के साथ जो बगावत हुई थी, उसका उद्देश्य बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना को बचाना था। उनके अनुसार, छह सांसदों का शामिल होना उसी आंदोलन का दूसरा चरण है और यह फैसला शिवसेना की मूल विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए लिया गया है।

टीएमसी के 20 बागी सांसदों को....

तृणमूल कांग्रेस के इस विभाजन के साथ ही, लोकसभा में विपक्ष का गणित पूरी तरह से बदल गया है। वहीं टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के लिए यह एक बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि उनके अधिकांश सांसद अब एनडीए खेमे के साथ जाने की तैयारी कर चुके हैं। लोकसभा की आधिकारिक वेबसाइट पर 20 सांसदों के साथ NCPI का नाम दिखाई देगा।इसके बाद NCPI लोकसभा में पांचवीं सबसे बड़ी पार्टी बन जाएगी। TMC के सांसदों की संख्या 28 से घटकर 8 और शिवसेना की संख्या घटकर 3 हो जाएगी। जबकि एकनाथ शिंदे की शिवसेना की संख्या बढ़कर 13 हो जाएगी।

युद्धविराम समझौते पर ईरान का.....

ने सैन्य गतिविधियां फिर से शुरू करके और समझौते की मुख्य शर्तों को पूरा न करके समझौते का उल्लंघन किया है। क्षेत्र में बढ़ रहे सैन्य तनाव के बीच ईरान का यह फैसला सामने आने पर आगामी समय में दोनों देशों के बीच तनाव और ज्यादा बढ़ने की आशंका है। अमेरिका ने लगातार सातवीं रात ईरानी ठिकानों पर हमले किए हैं, जबकि तेहरान ने इसके जवाब में बड़े स्तर पर हमला करने की चेतावनी दी है। इस नए टकराव से विश्व के सबसे व्यस्त तेल शिपिंग मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।हीं अन्य देशों के लिए भी अब तेल और गैस की आपूर्ति को लेकर संकट गहराने की आशंका है।

172 करोड़ का ओवरटाइम घोटाला....

भी सामने आई है। इनमें सुमित फैसिलिटीज, प्राइमवन वर्कफोर्स, ए-टू-जेड इंफ्रासर्विसेज, अलर्ट कमांडोज और ईगल हंटर साल्यूशंस शामिल हैं। जांच एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इन एजेंसियों को भुगतान किस आधार पर स्वीकृत किए गए और वास्तविक कर्मचारियों तक कितनी राशि पहुंची। साथ ही भुगतान प्रक्रिया में नियमों का पालन हुआ या नहीं, इसकी भी जांच की जा रही है।

0 12 आरोपितों के खिलाफ पहले ही दाखिल हो चुकी चार्जशीटः इस मामले में ईओडब्ल्यू-एसीबी पहले ही 12 आरोपितों के खिलाफ न्यायालय में अभियोग पत्र पेश कर चुकी है। इनमें अनवर ढेबर, नवीन प्रताप सिंह तोमर, तिजऊराम निर्मलकर, अभिषेक सिंह, नीरज कुमार चौधरी, अजय लोहिया, अजीत नरबले, अमित प्रभाकर सालुंके, अमित मित्तल, एन. उदय राव, राजीव द्विवेदी और संजीव जैन के नाम शामिल हैं। जांच एजेंसी द्वारा पहले गिरफ्तार किए गए सभी आरोपितों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। अब पूर्व एमडी अरुणपति त्रिपाठी से पूछताछ के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। एजेंसियों को उम्मीद है कि इससे कथित घोटाले की पूरी कार्यप्रणाली और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका स्पष्ट हो सकेगी।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के पांच....

जवाब न देने का हवाला दिया है। अधिकारियों ने कार्यालय के चारों तरफ भारी संख्या में पुलिस बल और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को तैनात कर दिया था। परिसर के चारों ओर बैरिकेड लगा दिए थे। पुलिस और नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी खुद इस पूरी कार्रवाई की निगरानी कर रहे थे। कड़ी सुरक्षा के बीच बुलडोजर से तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू की गई। इस दौरान एहतियात के तौर पर दमकल कर्मियों को भी तैयार रखा गया था। जिला प्रशासन ने सबसे पहले गत 30 जून को इस कार्यालय को नोटिस जारी किया था। इसमें इमारत के निर्माण और उसके लिए ली गई मंजूरियों से जुड़े दस्तावेज और स्पष्टीकरण मांगे गए थे।

भूख हड़ताल पर बैठे सोनम....

जबरन से ले गए। एक 60 साल के शख्स जो पिछले 20 दिनों से भूख हड़ताल पर थे और जिन्होंने कुछ भी नहीं खाया था, उन्हें दिल्ली पुलिस जबरन उठाकर ले गई। पुलिस ने मेरे साथ भी मारपीट की। ये पुलिसकर्मी नहीं हैं, बल्कि आरएसएस के गुंडे हैं। नीट पेपर लीक में जवाबदेही और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर वांगचुक ने 28 जून को भूख हड़ताल शुरू की थी।

मुफ्त यूनिफॉर्म पाकर खिले बच्चों के चेहरे, धरमूटोला स्कूल में गरिमामय माहौल में हुआ गणवेश वितरण

छुरिया (दावा)। शासन की महत्वाकांक्षी निःशुल्क गणवेश योजना के अंतर्गत संकुल साल्हेटोला आश्रित शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला धरमूटोला में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उच्च कार्यालय से गणवेश प्राप्त होने के बाद संकुल स्तर पर इसे सुव्यवस्थित ढंग से वितरित किया गया। शाला धरमूटोला में सौ फीसदी (शत-प्रतिशत) नामांकित छात्र-छात्राओं को नए गणवेश प्रदान किए गए। जिसे पाकर बच्चों के चेहरों पर भारी खुशी देखी गई।

कार्यक्रम में शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों, गणमान्य नागरिकों, पालकों और शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। आए हुए अतिथियों ने अपने हाथों से बच्चों को नए यूनिफॉर्म बांटे। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे रोजाना अनुशासित होकर स्कूल आएं और मन लगाकर पढ़ाई करें। अतिथियों ने जोर देकर कहा कि शासन की यह योजना स्कूली बच्चों में समानता की भावना पैदा करती है और शिक्षा के प्रति उनके उत्साह को बढ़ाती है।

पारदर्शिता के साथ पूरा हुआ लक्ष्य

विद्यालय परिवार ने जानकारी दी कि स्कूल के प्रत्येक नामांकित विद्यार्थी को समय पर यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने का लक्ष्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। पूरी वितरण प्रक्रिया को बेहद सुव्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में पहुंचे जनप्रतिनिधियों और अभिभावकों ने भी शासन की इस कल्याणकारी योजना की जमकर सराहना की। संकुल केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक साल्हेटोला संकुल के अंतर्गत आने वाले सभी शासकीय स्कूलों में गणवेश वितरण का कार्य पूरा कर लिया गया है। इस कदम से ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों की स्कूलों में नियमित उपस्थिति बढ़ाने में बड़ी मदद मिलेगी।

सीताराम मानस परिवार मुसराकला को मिला प्रथम स्थान

प्रदेश के 111 मानस मंडलियों ने गूंजाया रामनाम, 'मानस मंथन 6.0 महोत्सव' का हुआ समापन
26 से चंदखुरी में होगा विजेता मंडलियों का सम्मान समारोह

डोंगरगढ़/मुसरा(दावा)। मानस दर्शन जीवन अर्पण छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय ऑनलाइन मानस गान प्रतियोगिता 'मानस ब्रह्म गर्भ मानस मंथन 6.0 महोत्सव 2026' का आयोजन गत दिनों संपन्न हुआ।

एक माह तक चले इस आध्यात्मिक महोत्सव में छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों की 111 मानस मंडलियों ने भाग लेकर प्रभु श्रीराम के आदर्शों, मर्यादाओं और रामचरितमानस की दिव्य शिक्षाओं का भावपूर्ण गायन किया। संस्था के संस्थापक एवं मार्गदर्शक दीपक गुहा 'मानस जिज्ञासु' (भारत गौरव) के नेतृत्व में यह आयोजन 5 मई से 2 जून तक दो चरणों में हुआ। इस वर्ष महोत्सव की थीम 'मानस ब्रह्म गर्भ' रखी गई थी, जिसका उद्देश्य श्रीरामचरितमानस में निहित ब्रह्म केचिदानंद स्वरूप का दर्शन कराना तथा समाज को आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों और सनातन संस्कृति से जोड़ना था।

प्रतियोगिता में सीताराम मानस परिवार, ग्राम मुसरा कला (डोंगरगढ़) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्वरांजली मानस परिवार, तुमाकला द्वितीय तथा शक्ति संगम मानस मंडली, भिंबौरी (बेमेतरा) तृतीय स्थान पर रही।

वहीं ज्ञान गंगा मानस परिवार गनियारी, सुर समृद्धि मानस परिवार बेमेतरा, श्रद्धा सुमन बालिका मानस मंडली पचपेड़ी, अदिति हर्षि बालिका मानस परिवार बागबाहरा, स्वांतः सुखाय मानस परिवार छुरिया और जय जगत आजाद मानस परिवार आलेखुंटा को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा। विशेष श्रेणी में पुनेश्वर साहू को सर्वश्रेष्ठ संचालक, गौरी शंकर मानस मंडली कोसरा को सर्वश्रेष्ठ व्याख्यान तथा जय माँ करियापाट मानस मंडली सिवनी को संगीत प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया।

आयोजन के निर्णायक मंडल में भाव पक्ष के लिए गुरुदेव गोपाल वर्मा, कला पक्ष के लिए डॉ. आलोक भट्टाचार्य तथा अनुशासन पक्ष के लिए दीदी माँ अंजु शर्मा शामिल रहीं।

पत्रकार से जातिसूचक गाली-गलौज प्रकरण : अब पुराने आपराधिक मामलों की भी हो रही चर्चा, आरोपी अब भी पुलिस की तलाश में

खैरागढ़ (दावा)। न्यायालय परिसर में 3 जुलाई को अनुसूचित जाति वर्ग से जुड़े एक पत्रकार एवं जिला पत्रकार संघ के सदस्य के साथ कथित जातिसूचक गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में थाना खैरागढ़ में अपराध क्रमांक 0263/2026 दर्ज किया गया है।

पुलिस ने धारा 3(2)(1ए) अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, तथा धारा 115(2), 296, 351(2) एवं 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण कायम कर विवेचना शुरू की है। मामले में राज वर्मा उर्फ राज श्यामलाल आड़े और विनोद वर्मा को आरोपी बनाया गया है। पुलिस के अनुसार प्रकरण की जांच जारी है।

महाराष्ट्र में भी दर्ज हैं धोखाधड़ी के दो पुराने आपराधिक प्रकरण

उपलब्ध एफआईआर दस्तावेजों के अनुसार राज श्यामलाल आड़े का नाम महाराष्ट्र के नागपुर शहर में वर्ष 2017 में दर्ज दो अलग-अलग बैंक धोखाधड़ी के मामलों में भी आरोपी के रूप में दर्ज है। पहला मामला इमामवाड़ा थाना के अपराध क्रमांक 0027/2017 का है। जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468, 471 एवं 34 के तहत करीब 1.74 करोड़ रुपये की कथित बैंक धोखाधड़ी का आरोप दर्ज किया गया था। दूसरा मामला हिंगणा थाना के अपराध क्रमांक 0216/2017 का है। जिसमें धारा 120-बी, 403, 420, 465, 467, 468 एवं 471 आईपीसी के तहत लगभग 26.66 लाख रुपये के कथित कार लोन फर्जीवाड़े का मामला दर्ज हुआ था। इन मामलों में पुलिस रिकॉर्ड में उनका नाम आरोपी के रूप में दर्ज है।

डॉक्टर से मारपीट मामले में भी नाम आया था सामने

एफआईआर अभिलेखों के अनुसार वर्ष 2021 में नागपुर के लकड़गंज थाना में अपराध क्रमांक 0232/2021 दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार अस्पताल में मरीज की मृत्यु के बाद डॉक्टर और अस्पताल स्टाफ के साथ कथित मारपीट एवं हंगामे की घटना हुई थी। इस मामले में धारा 143, 147, 149, 188, 323, 324, 452 और 504 आईपीसी सहित महाराष्ट्र मेडिकल सर्विसेज प्रोटेक्शन एक्ट, महामारी अधिनियम तथा आपदा प्रबंधन अधिनियम की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। एफआईआर में राज वर्मा का नाम आरोपी के रूप में उल्लेखित है।

लोकार्पण कार्यक्रम में जिलाधीश का दिया गया बयान विचित्र

बाहरी व्यक्ति को लेकर शहर में बढ़ी नाराजगी

खैरागढ़ में दर्ज ताजा प्रकरण के बाद शहर में इस बात को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है कि महाराष्ट्र के नागपुर से आकर पिछले कुछ वर्षों से जिले में सक्रिय रहे व्यक्ति का नाम अब यहां दर्ज गंभीर आपराधिक प्रकरण में भी सामने आया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि किसी बाहरी व्यक्ति के विरुद्ध पहले से अन्य राज्यों में भी आपराधिक प्रकरण दर्ज रहे हैं तो ऐसे मामलों की गंभीरता से जांच होनी चाहिए। शहर में यह सवाल भी उठ रहा है कि शांतिप्रिय माहौल वाले खैरागढ़ में इस तरह की घटनाएं कानून-व्यवस्था के लिए चिंता का विषय हैं।

एफआईआर रिकॉर्ड ने बढ़ाए सवाल, जांच के बाद होगी सच्चाई स्पष्ट

उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार राज श्यामलाल आड़े उर्फ राज वर्मा का नाम महाराष्ट्र के विभिन्न थानों में दर्ज तीन अलग-अलग एफआईआर में भी आरोपी के रूप में दर्ज रहा है। जबकि खैरागढ़ में उनके विरुद्ध अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम तथा भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत नया प्रकरण दर्ज हुआ है। हालांकि इन सभी मामलों में न्यायिक प्रक्रिया जारी है और अंतिम निर्णय संबंधित न्यायालयों द्वारा किया जाना शेष है। ऐसे में इन प्रकरणों का अंतिम निष्कर्ष न्यायालय के निर्णय पर निर्भर करेगा।

पत्रकार संघ ने आधार कार्ड की जांच की उठाई मांग

जिला पत्रकार संघ ने संबंधित विभागों को पत्र भेजकर मांग की है कि आरोपी के आधार कार्ड में छत्तीसगढ़ का पता किस वैधानिक प्रक्रिया और किन दस्तावेजों के आधार पर दर्ज किया गया। इसकी निष्पक्ष जांच कराई जाए। संघ का कहना है कि यदि दस्तावेजों के सत्यापन में किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित प्रावधानों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। फिलहाल यह पत्रकार संघ की मांग है और इसकी जांच संबंधित सक्षम प्राधिकारी द्वारा की जानी शेष है।

ड्राइविंग लाइसेंस एवं दस्तावेजों की भी जांच की मांग

जिला पत्रकार संघ ने यह भी मांग की है कि आरोपी के ड्राइविंग लाइसेंस एवं अन्य दस्तावेजों की वैधानिक जांच कराई जाए। संघ का कहना है कि उन्हें कुछ ऐसे इनपुट प्राप्त हुए हैं। जिनके आधार पर दस्तावेजों की प्रामाणिकता की जांच आवश्यक प्रतीत होती है। हालांकि इन दावों की अभी किसी सरकारी एजेंसी द्वारा पुष्टि नहीं की गई है। इसलिए संघ ने निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करने की मांग की है।

जनसंपर्क अधिकारी को भी भेजा गया पत्र

जिला पत्रकार संघ ने इस पूरे मामले की जानकारी जिला जनसंपर्क अधिकारी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई को भी लिखित रूप से दी है। पत्र में मांग की गई है कि स्वयं को पत्रकार बताने वाले संबंधित व्यक्तियों के पंजीयन, पहचान एवं अन्य अभिलेखों की सक्षम स्तर पर जांच कराई जाए। संघ का कहना है कि यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाए। वहीं सभी मामलों में अंतिम निष्कर्ष संबंधित जांच एजेंसियों और न्यायालय के निर्णय के बाद ही स्पष्ट होगा।

नवीन जवाहर नवोदय विद्यालय के संचालन हेतु आईटीआई भवन का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

मोहला (दावा)। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने आज अंबागढ़ चौकी विकासखंड का दौरा कर नवीन जवाहर नवोदय विद्यालय के संचालन के लिए प्रस्तावित शासकीय आईटीआई भवन एवं छात्रावास का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने विद्यालय के सफल संचालन के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती प्रजापति शासकीय आईटीआई कॉलेज परिसर पहुंचीं। जहां उन्होंने 40 सीटर नवोदय आवासीय विद्यालय के संचालन के लिए प्रस्तावित कक्षाओं एवं छात्रावास भवन का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यालय के सुचारु एवं गुणवत्तापूर्ण संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं, कक्षाओं की उपलब्धता तथा छात्रावास की सुविधाओं के संबंध में अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को आईटीआई हॉस्टल भवन का लेआउट तैयार कर नवोदय विद्यालय के संचालन के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा सभी आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विद्यार्थियों की सुरक्षा और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं अध्ययन के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर आवासीय सुविधाएं मिल सकें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने अंबागढ़ चौकी स्थित विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण केंद्र भवन के निर्माण कार्यों का भी अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित एजेंसी एवं अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि भवन का उपयोग निर्धारित समय पर प्रारंभ किया जा सके।

लिटिया स्कूल के पास क्षतिग्रस्त पेयजल पाईप का तत्काल हुआ सुधार, शाला परिवार ने सरपंच का जताया आभार

राजनांदगांव(दावा)। विकासखंड अंतर्गत ग्राम लिटिया स्थित शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला के समीप पेयजल आपूर्ति का पाईप क्षतिग्रस्त हो जाने से विद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था प्रभावित हो गई थी।

समस्या की जानकारी मिलते ही ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती लीला गोपीचंद गायकवाड़ ने त्वरित पहल करते हुए पाइप की मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उनके प्रयास से क्षतिग्रस्त पाइप का शीघ्र सुधार कर पेयजल आपूर्ति पुनः सुचारु कर दी गई। इस दौरान पूर्व जनपद सदस्य गोपीचंद गायकवाड़ ने भी मौके पर पहुंचकर मरम्मत कार्य की निगरानी की और समय पर कार्य पूर्ण कराने में सहयोग किया। पाइप सुधर जाने से विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं ग्रामीणों को राहत मिली तथा पानी की समस्या का तत्काल समाधान हो गया।

शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला लिटिया के शाला परिवार ने सरपंच श्रीमती लीला गोपीचंद गायकवाड़ एवं पूर्व जनपद सदस्य गोपीचंद गायकवाड़ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए जनहित के प्रति उनकी संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई की सराहना की। विद्यालय परिवार ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की ऐसी सक्रियता से ग्रामीणों की समस्याओं का समय पर निराकरण संभव हो पाता है।

सीएम हेल्पलाईन से ग्राम सलोनी के केवल साहू को तत्काल मिली मदद

गैस सिलेंडर प्राप्त होने पर केवल ने खुशी जाहिर की

राजनांदगांव (दावा)। सीएम हेल्पलाईन शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की दिशा में उपयोग एवं कारगर साबित हो रही है। जिले में शिकायतों का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। सीएम हेल्पलाईन के माध्यम से जनमानस को शासन तक सीधी पहुंच की सुविधा मिली है तथा पारदर्शिता बढ़ी है।

राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम सलोनी के केवल साहू ने बताया कि उन्हें सीएम हेल्पलाईन के माध्यम से अपनी समस्या का समाधान मिला है। ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहा था। वही लंबी कतार में लगने के बाद भी गैस सिलेंडर प्राप्त नहीं हो पा रहा था। जिससे उन्हें दिक्कत हो रही थी। सीएम हेल्पलाईन 1076 में उन्होंने अपनी शिकायत दर्ज की थी। केवल साहू ने बताया कि सीएम हेल्पलाईन में की गई शिकायत का त्वरित निराकरण किया गया और उन्हें गैंस सिलेंडर प्राप्त हो गया। उन्होंने सीएम हेल्पलाईन पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सरकार द्वारा नागरिकों की समस्या के समाधान की दिशा में बहुत अच्छी पहल है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को इस अभिनव पहल के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

जनसंख्या के बल पर ही दुनिया में गरज रहा विस्तारवादी चीन

राजनांदगांव (दावा)। विश्व में तीव्र गति से बढ़ती आबादी जहां एक ओर संसाधनों पर भार है। वहीं सही प्रबंधन और शिक्षा के जरिए इसे वरदान भी बनाया जा सकता है। आज दुनिया का विस्तारवादी देश चीन अपनी इसी जनसंख्या के बल पर गरज रहा है और पड़ोसी देशों की जमीन हड़पने की फिराक में रहता है।

यह गंभीर चिंतन विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर आयोजित एक साहित्यिक गोष्ठी एवं परिचर्चा में उभरकर सामने आया। छत्तीसगढ़ साहित्य समिति द्वारा कवयित्री करिश्मा श्रीवास्तव के संयोजन में महावीर स्मार्ट सिटी कॉलोनी में इस गरिमामय साहित्यिक आयोजन व काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें अंचल के ख्यातिलब्ध साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं और विचारों के माध्यम से बढ़ती आबादी पर गहरी चिंता व्यक्त की।

संसाधनों का सही प्रबंधन ही जनसंख्या को बनाएगा वरदान

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ हास्य-व्यंग्य कवि व साहित्यकार गिरीश ठक्कर 'स्वर्गीय' थे। उन्होंने वैश्विक परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्व की जनसंख्या अब तीव्र वृद्धि से स्थिरता की ओर बढ़ रही है। जो बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं और वैश्विक विकास का सकारात्मक संकेत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे दिग्विजय कॉलेज के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय ने कहा कि अतिशय जनसंख्या वृद्धि निश्चित रूप से दुनिया पर एक भार है, लेकिन यदि हमारे पास सतत संसाधन पूर्ति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विकास और लैंगिक समानता का बेहतर प्रबंधन हो, तो यही आबादी देश के लिए वरदान साबित हो सकती है। विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के जिला समन्वयक एवं वरिष्ठ साहित्यकार आत्माराम कोशा 'अमात्य' ने विषय पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि चीन ने अपनी जनसंख्या वृद्धि को एक हथियार की तरह इस्तेमाल किया है। उन्होंने आगे जोड़ा कि चीन के इसी आक्रामक डर के कारण ही रूस और भारत के बीच कूटनीतिक मैत्री और मजबूत हुई है। इस वैचारिक संगोष्ठी में साहित्य समिति के समन्वयक राकेश इंदु भूषण ठाकुर, गोष्ठी के संचालक गजेंद्र हरिहारणो 'दीप, साकेत के ओमप्रकाश 'अंकुर, शिवनाथ धारा के महेंद्र बघेल 'मधु' और वनांचल साहित्य समिति के डॉ. इकबाल खान 'तनहा' ने भी अपने सारगर्भित विचार रखे।

काव्य पाठ : धरती सीमित, साधन सीमित... कैसे भरेंगे पेट?

परिचर्चा के बाद देश और समाज के हालातों पर कवियों ने अपनी कविताओं और गजलों से समां बांध दिया। अखिलेश अकाट्य ने कहा एक दीप हम ऐसा जलाएं, गम की अंधेरी रात को मिलकर दूर भगाएं... पंक्तियों से सकारात्मकता का संदेश दिया। डॉ. शंकर मुनि राय ने कहा घर के छज्जे पर गौरैया चीं-चीं करते जाएं...सुनाकर प्रकृति और जीवन के सीधे जुड़ाव को दर्शाया। करिश्मा श्रीवास्तव व अनुराग सक्सेना ने कहा मेजबान कवयित्री ने अपनी भोजपुरी कविता व गजल वो आए मगर बात न हो सकी...से और अनुराग सक्सेना ने तरन्नुम में गजल पढ़कर खूब वाहवाही लूटी।

26 करोड़ का ओवरब्रिज पहली बारिश में फेल, 12 दिन बाद भी रेलवे की जांच का नहीं मिला कोई सुराग

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर, सांसद और विधानसभा अध्यक्ष ने रेल मंत्री को लिखा पत्र, लेकिन रेलवे के जांच अधिकारी कौन है, इसकी भी जानकारी नहीं। राजनांदगांव के बरगा रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण लगभग 26 करोड़ रुपये की लागत से किया गया था। लोकार्पण के कुछ समय बाद ही पहली बारिश में पुल के एप्रोच हिस्से में दरारें पड़ गईं और सड़क धंस गई। वहीं आलीवारा में निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज की एप्रोच सड़क भी बारिश में बह गई।

बरगा-आलीवारा में 26 करोड़ रुपये की लागत से बने रेलवे ओवरब्रिज में पहली ही बारिश के बाद दरारें पड़ने और एप्रोच सड़क धंसने का मामला अब गंभीर सवालों के घेरे में है। हैरानी की बात यह है कि घटना के करीब 12 दिन बाद भी रेलवे यह स्पष्ट नहीं कर पा रहा कि जांच शुरू हुई है या नहीं और जांच किस अधिकारी को सौंपी गई है।

करोड़ों का प्रोजेक्ट पहली बारिश में बेनकाब

राजनांदगांव के बरगा रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण लगभग 26 करोड़ रुपये की लागत से किया गया था। लोकार्पण के कुछ समय बाद ही पहली बारिश में पुल के एप्रोच हिस्से में दरारें पड़ गईं और सड़क धंस गई। वहीं आलीवारा में निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज की एप्रोच सड़क भी बारिश में बह गई। इन घटनाओं ने निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

विस. अध्यक्ष, सांसद व प्रशासन ने दिखाई गंभीरता

घटना सामने आने के बाद कलेक्टर जितेंद्र यादव ने मीडिया रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को पत्र भेजकर तकनीकी जांच कराने की मांग की। इसके बाद सांसद संतोष पांडे ने केंद्रीय रेल मंत्री को पत्र लिखकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने भी निष्पक्ष जांच कराने और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की अनुशंसा की।

रेलवे के पास ही नहीं जांच की जानकारी

मामले की पड़ताल के दौरान रेलवे के अधिकारी से जब जांच की स्थिति पूछी गई तो उन्होंने बताया कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि जांच किस अधिकारी को सौंपी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि जांच शुरू हुई है या नहीं, इसकी जानकारी भी उनके पास उपलब्ध नहीं है।

गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल

विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी सार्वजनिक परियोजना की असली परीक्षा बारिश के दौरान होती है। पहली ही बारिश में पुल और एप्रोच सड़क को नुकसान पहुंचना निर्माण गुणवत्ता, तकनीकी निगरानी और कार्य निष्पादन पर सवाल खड़े करता है। ऐसे मामलों में त्वरित जांच और पारदर्शिता जरूरी मानी जाती है।

चुप्पी बढ़ा रही संदेह

जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की ओर से कार्रवाई की मांग किए जाने के बावजूद रेलवे की ओर से जांच की स्थिति स्पष्ट नहीं किए जाने से लोगों के मन में संदेह बढ़ रहा है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि रेलवे कब जांच शुरू होने, जिम्मेदार अधिकारियों और आगे की कार्रवाई को लेकर आधिकारिक जानकारी देता है।

बोरतलाव की घटना पर भी रेल्वे की चुप्पी

वहीं डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम बोरतलाब में रेल्वे ठेकेदार की लापरवाही से 15 जुलाई को पानी में डूबने से तीन बच्चों की मृत्यु हुई। ग्रामवासियों ने महापौर के समक्ष इस हादसे के लिए जिम्मेदार लापरवाही को लेकर आक्रोश व्यक्त किया और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए महापौर मधुसूदन यादव ने बोरतालाब थाना प्रभारी से मौके पर ही चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि इस पूरे प्रकरण की शीघ्रता और निष्पक्षता से जांच की जाए और लापरवाही बरतने वाले आरोपी रेलवे ठेकेदार के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

ऐतिहासिक पल : धर्म, तप और साधना की राजधानी बनेगा डोंगरगांव

डोंगरगांव (दावा)। नगर इस वर्ष एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक सौभाग्य का साक्षी बनने जा रहा है। वर्षों बाद ऐसा शुभ अवसर आया है। जब दिगम्बर एवं श्वेतांबर दोनों जैन समाज की साध्वियों का चातुर्मास एक ही नगर में प्रस्तावित है। आगामी चार माह तक नगर में धर्म, तप, त्याग, संयम, स्वाध्याय और जिनवाणी की अविरल धारा प्रवाहित होगी। साध्वी संघों के सान्निध्य से पूरा नगर आध्यात्मिक चेतना, धार्मिक संस्कार और सद्भाव के वातावरण से आलोकित होगा।

वर्षों बाद एक ही नगर में होगा दिगम्बर एवं श्वेतांबर दोनों जैन समाज की साध्वियों का चातुर्मास

कल होगा श्वेतांबर साध्वी संघ का भव्य मंगल प्रवेश

श्वेतांबर जैन समाज की साध्वी वृंद राजस्थान के जैसलमेर से हजारों किलोमीटर का पदविहार करते हुए विकासखंड के ग्राम अर्जुनी पहुंच चुकी हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 जुलाई को प्रातः 9 बजे साध्वी संघ का डोंगरगांव में भव्य मंगल प्रवेश होगा। नगर में विभिन्न स्थानों पर स्वागत द्वार सजाए जा रहे हैं तथा समाजजन मंगल प्रवेश को ऐतिहासिक बनाने की तैयारियों में जुटे हैं। खरतर गच्छाधिपति आचार्य जिनमणि प्रभसूरीश्वर म.सा. के दिव्य आशीर्वाद तथा आगम ज्योति प्रमोद श्रीजी म.सा. एवं रतनमाला श्रीजी म.सा. की पावन निश्रा में डॉ. विद्युत्प्रभा श्रीजी म.सा. की सुशिष्या साध्वी आज्ञांजना श्रीजी म.सा. एवं साध्वी आगमरूचि श्रीजी म.सा. आदि ठाणा-2 का चातुर्मास डोंगरगांव में संपन्न होगा। श्री जैन श्वेतांबर श्रीसंघ एवं चातुर्मास समिति द्वारा आवास, प्रवचन स्थल, धार्मिक आयोजन तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं सहित सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

आर्यिका श्री तपोमति माताजी का भी होगा चातुर्मास

दिगम्बर जैन समाज के लिए भी यह वर्ष अत्यंत गौरवपूर्ण रहेगा। आचार्य विद्यासागर महाराज की सुशिष्या आर्यिका तपोमति माताजी का चातुर्मास भी डोंगरगांव में प्रस्तावित है। आर्यिका संघ जैन तीर्थ अमरकंटक से पदविहार करते हुए रायपुर पहुंच चुका है और शीघ्र ही डोंगरगांव में मंगल आगमन करेगा। उनके आगमन को लेकर दिगम्बर जैन समाज में भी उत्साह का वातावरण है तथा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

चार माह तक चलेगा धार्मिक आयोजनों का सिलसिला

चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन धर्मसभा, प्रवचन, स्वाध्याय, सामायिक, प्रतिक्रमण, तप-अनुष्ठान, जप, ध्यान, संस्कार शिविर, बाल एवं युवा वर्ग के लिए धार्मिक प्रशिक्षण, महिलाओं के विशेष कार्यक्रम तथा विविध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक आयोजन होंगे। पर्युषण पर्व, दशलक्षण महापर्व, क्षमावाणी, तप आराधना और अन्य धार्मिक अवसरों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रहने की संभावना है।

भीषण सड़क हादसे में एक मासूम की मौत, सात घायल

राजनांदगांव (दावा)। नेशनल हाईवे पर देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। डोंगरगढ़ स्थित मां बम्लेश्वरी देवी का दर्शन कर दुर्ग लौट रहा एक परिवार हादसे का शिकार हो गया। इस हादसे में एक मासूम की मौत हो गई, जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह हादसा भानपुरी के पास नेशनल हाईवे स्थित साई मिथिला ढाबा के नजदीक हुआ। बताया जा रहा है कि पिकअप वाहन में खराबी आने के कारण चालक उसे सड़क किनारे खड़ा कर ठीक कर रहा था। इसी दौरान नागपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार ट्रेलर ने पीछे से पिकअप वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने एक बालक को मृत घोषित कर दिया। अन्य सात घायलों का इलाज जारी है।

पिकअप वाहन से मां बम्लेश्वरी का दर्शन कर लौट रहे परिवार को तेज रफ्तार ट्रेलर ने टक्कर मार दी

श्री श्यामकुटी में 29 को मनेगा भव्य गुरुपूर्णिमा महोत्सव, जुटेगी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

राजनांदगांव (दावा)। गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः। गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः। गुरु की महिमा को बयां करते इस पावन श्लोक को चरितार्थ करने के लिए रामाधिन मार्ग स्थित श्रीश्यामकुटी में आगामी 29 जुलाई को गुरुपूर्णिमा महोत्सव अत्यंत भव्यता और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। श्रीश्यामकुटी और श्रीदासीश्याम मंडल के शिष्यों द्वारा गुरुभक्ति का यह अनुपम पर्व पिछले 55 वर्षों से अनवरत रूप से मनाया जा रहा है। गुरुपूर्णिमा के इस विशेष अवसर पर श्रीश्यामकुटी में सुबह से ही धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला शुरू हो जाएगा। महोत्सव के लिए श्रीगुरुमां की व्यासपीठ और श्रीदासीश्याम जी के मंदिर को अत्यंत मनोहारी व सुगंधित फूलों से विशेष रूप से सजाया जाएगा। सुबह की पावन आरती के बाद भक्तगण श्रीगुरुमां की विशेष पूजा-अर्चना, भोग और चरण वंदना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। इस वर्ष गुरुपूर्णिमा महोत्सव को और भी खास बनाने के लिए एक नए श्रृंगार के साथ श्रीसद्गुरुमां को विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों और मिठाइयों का भोग अर्पित किया जाएगा। सुबह की पूजा के बाद प्रसादी का वितरण होगा। जिसके पश्चात दोपहर को विशाल भंडारे (भोजन प्रसादी) का आयोजन किया जाएगा। श्रीश्यामकुटी परिवार के सदस्यों ने बताया कि गुरु की शक्ति को सर्वोपरि मानने वाले इस संस्थान में विगत 55 वर्षों से निरंतर यह उत्सव मनाया जा रहा है। मान्यता है कि गुरु की शरण में रहने वाले भक्त का कभी भी अनिष्ठ नहीं होता। इस भव्य आयोजन में राजनांदगांव के स्थानीय शिष्यों और भक्तों के अलावा छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों और बाहरी राज्यों से भी भारी संख्या में श्रद्धालु गुरु दर्शन के लिए पहुंचेंगे। भक्तों की भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए श्रीश्यामकुटी परिवार द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं, ताकि सभी सुगमता से महाप्रसादी ग्रहण कर अपने जीवन को कृतार्थ कर सकें।

टेड़ेसरा स्थित कंपनी में करंट लगने से मजदूर की मौत

फैक्ट्री में कार्य करने के दौरान आया चपेट में

राजनांदगांव (दावा)। सोमनी थाना क्षेत्र के ग्राम टेड़ेसरा स्थित एक स्टील कंपनी ने करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर घटना को जांच में ले लिया है। बताया जाता है कि ग्राम टेड़ेसरा स्थित ओरिएंटल स्टील कंपनी ने काम करने वाला श्रमिक पुराणिक विश्वकर्मा पिता सुंदरलाल विश्वकर्मा उम्र 28 वर्ष 20 दिन पहले फैक्ट्री में भर्ती हुआ था। शुक्रवार की सुबह लगभग 10 से 11 बजे के बीच फैक्ट्री में किम करने के दौरान वह करंट की चपेट में आ गया जिससे वह गंभीर रूप से झूलस गया। जिसे अन्य मजदूरों की सहायता से कंपनी प्रबंधन द्वारा उसे तत्काल इलाज के लिए दुर्ग अस्पताल भिजवाया गया जहां जांच के उपरांत डाक्टरों ने उस मृत घोषित कर दिया।

सुरक्षा में लापरवाही बरतने का आरोप

उक्त स्टील फैक्ट्री मे कार्य के दौरान मजदूर की मौत होने पर मृतक के परिजनों तथा श्रमिकों ने प्रबंधन पर श्रमिकों की सुरक्षा में लापरवाही का आरोप लगाया है। मिली जानकारी के अनुसार कंपनी प्रबंधन ने मृतक के परिजनों को तत्काल 2 लाख आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई है वहीं शासन से मिलने वाली राशि दिलाए जाने का भी आश्वासन दिया गया है। बताया जाता है कि मृतक पुराणिक विश्वकर्मा के परिवार में उसकी पत्नी और एक मासूम बच्चा है। इस घटना में उस मासूम के सिर से पिता का साया छिन गया वहीं उसकी पत्नी बेसहारा हो गई। सोमनी पुलिस आगे की जांच कार्रवाई में जुट गई है।

सहकारी समिति के कर्मचारियों का आज रायपुर में आंदोलन

अपनी 4 सूत्रीय मांग को लेकर राजधानी में गरजेंगे समिति सेवक

राजनांदगांव (दावा)। राज्य शासन द्वारा पिछले वर्ष से लंबित 4 सूत्रीय मांगों को लेकर आज सहकारी समिति सेवक 19 जुलाई को राजधानी रायपुर जाएंगे। जिले से 500 की संख्या में जा रहे समिति कर्मचारियों का वहां धरना प्रदर्शन आन्दोलन होगा।

बता दें कि सहकारी समिति कर्मचारियों के इस आंदोलन के चलते जिले के 117 सहकारी समितियां पूरी तरह बंद रहेगी। इससे किसानों को खाद बीज वितरण, फसल बीमा व खाद्यान्न आवश्यकताओ के लिए भटकना पड़ेगा। सहकारी समिति कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष किसुन देवांगन ने बताया कि 4 सूत्रीय मांगों को लेकर संघ लड़ाई लड़ रहा है लेकिन राज्य शासन इसे लटका कर रखा हुआ है। सरकार को याद दिलाने जिले से बड़ी संख्या में सहकारी समिति कर्मचारी आज राजधानी कूच करेंगे। जहां रायपुर के तूता में संघ का अपनी मांगों को लेकर जबरदस्त धरना प्रदर्शन आंदोलन किया जाएगा। इस जंगी प्रदर्शन में प्रदेश भर के सहकारी समिति कर्मचारी संघ के प्रमुखो सहित हजारों कर्मचारियों की उपस्थिति रहेगी।

बेचना है

ग्राम गठुला में बजरंग चौक के समीप एच पी गैस के पास खैरागढ़ रोड से लगा हुआ 8 डिसमील खेत-जमीन बेचना है।

सपर्क-श्री हरिराम साहू पूर्व सरपंच ग्राम-गठुला (मूंगोड़ी सेन्टर) मो.- 7828363719

दिल्ली में चमका छत्तीसगढ़ : फेथ कॉन्क्लेव 2026 में राज्य की पर्यटन संभावनाओं पर हुई विशेष चर्चा

रायपुर (दावा)। देश के पर्यटन एवं हॉस्पिटेलिटी क्षेत्र की सर्वोच्च संस्था फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन इन इंडियन टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी द्वारा नई दिल्ली के प्रतिष्ठित होटल ताज में फेथ कॉन्क्लेव 2026 का भव्य आयोजन किया गया। 17 जुलाई को आयोजित इस गरिमामय कॉन्क्लेव में छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड ने अपनी सशक्त और प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई। इस वैश्विक मंच पर देश-विदेश से आए पर्यटन एवं हॉस्पिटेलिटी क्षेत्र के विशेषज्ञ, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय ट्रैवल एजेंट्स, विभिन्न राज्यों के पर्यटन विभागों के आला अधिकारी और ट्रैवल मीडिया से जुड़े दिग्गजों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य सत्र में छत्तीसगढ़ के पर्यटन पर एक विशेष पैनल डिस्कशन (पैनल चर्चा) का आयोजन किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा एवं प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की।

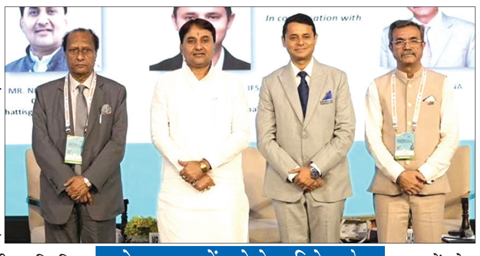

होटल ताज में जुटे देश-विदेश के दिग्गज, अध्यक्ष नीलू शर्मा और एमडी विवेक आचार्य ने वैश्विक मंच पर रखा छत्तीसगढ़ का पक्ष

प्राकृतिक धरोहर, जनजातीय संस्कृति और एडवेंचर टूरिज्म का बढ़ा क्रेज

विशेष पैनल चर्चा के दौरान छत्तीसगढ़ की समृद्ध प्राकृतिक धरोहर, अद्वितीय जनजातीय (ट्राइबल) संस्कृति, प्राचीन धार्मिक एवं पुरातात्विक पर्यटन स्थलों के साथ-साथ तेजी से उभरते इको-टूरिज्म और एडवेंचर टूरिज्म (साहसिक पर्यटन) पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। बोर्ड के अधिकारियों ने देश-विदेश से आए ट्रैवल उद्योग के प्रतिनिधियों को छत्तीसगढ़ की विशिष्ट भौगोलिक और सांस्कृतिक खूबियों से रूबरू कराते हुए उन्हें राज्य भ्रमण के लिए आमंत्रित किया।

पर्यटन मानचित्र पर उभरेगा छत्तीसगढ़, बढ़ेगा निवेश और रोजगार

कॉन्क्लेव की सफलता और राज्य के विज़न पर बात करते हुए छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने कहा कि बोर्ड का प्राथमिक लक्ष्य छत्तीसगढ़ के अनछुए और खूबसूरत पर्यटन स्थलों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई और मजबूत पहचान दिलाना है। छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड अध्यक्ष नीलू शर्मा ने कहा कि इस तरह के प्रतिष्ठित और वैश्विक मंचों पर सक्रिय सहभागिता से छत्तीसगढ़ की पर्यटन संभावनाओं को व्यापक प्रचार मिल रहा है। इससे आने वाले समय में राज्य में पर्यटन निवेश बढ़ेगा, विदेशी व घरेलू पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी होगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के ढेरों नए अवसर पैदा होंगे। पर्यटन विशेषज्ञों के अनुसार फेथ कॉन्क्लेव 2026 में छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की यह सक्रिय भागीदारी देश के पर्यटन मानचित्र पर राज्य को एक प्रमुख और आकर्षक पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बेहद प्रभावी और मील का पत्थर साबित होगी।

भावभीनी श्रद्धांजलि

न जायते म्रियते वा कदाचित,
नायं भूत्वा भविता वा न भूयः।
अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो,
न हन्यते हन्यमाने शरीरे ॥

भावार्थः
आत्मा कभी जन्म नहीं लेती, और न कभी मरती है। वह अजन्मा, नित्य, शाश्वत एवं सनातन है। शरीर के नष्ट होने पर भी आत्मा का विनाश नहीं होता।

प्रथम पुण्यतिथि
स्व. अन्नपूर्णा देवी सिंह
धर्मपत्नी
स्व. राजकुमार लाल शंकर बहादुर सिंह
02 जुलाई 1936 – 19 जुलाई 2025

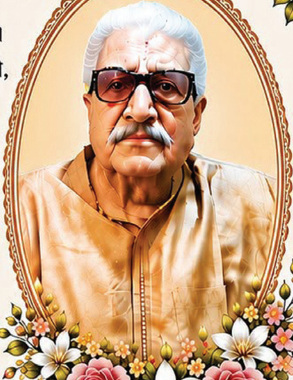

चतुर्थ पुण्यतिथि
स्व. राजकुमार लाल शंकर बहादुर सिंह
14 अगस्त 1928 – 28 जुलाई 2022

श्रद्धांजलि
जीवन की अमूल्य स्मुतियॉं समय के साथ धुंधली नहीं होतीं, बल्कि हमारे हृदय में सदैव जीवित रहती हैं। आपका स्नेह, मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद हमारे जीवन की अमूल्य धरोहर हैं। आपकी पावन स्मुति को शत्-शत् नमन।

डॉ. सविता जेबी सिंह, संजय-मनीषा सिंह, सावंत-पूजा सिंह, आनंद-पुष्पा सिंह, प्रशांत-संध्या सिंह, स्वयंवरा-सिद्धांत, जन्मेजय- जान्हवी सिंह, श्रेयांश-इला सिंह, डॉ. स्वर्णा सिंह, प्रीति सिंह, भारती-अशोक, आरती-सुरेंन्द्र, जागृति-प्रकाश, पूनम सिंह, माही, मीठी, समारा, शिविका एवं समस्त राज परिवार, खैरागढ़।

अशोक चौधरी, बल्देव सिंह भाटिया, अभिषेक खण्डेलवाल, डॉ. इन्द्र कुमार वैष्णव, डॉ. अनुराधा शुक्ला, एकता खण्डेलवाल, ममता मिश्रा, डॉ. यामिनी साहू, सरिता सिंह, शारदा गौर, अपर्णा वर्मा, गोपाल साहू, सुनिल भट्टाचार्या

संस्था
समस्त रॉयल किड्स कान्वेंट, डॉ. जेबी सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेन्डरी स्कूल एवं रॉयल कॉलेज परिवार।

नोटः हिन्दू तिथि के अनुसार वार्षिक श्राद्ध एवं भोजन प्रसादी का कार्यक्रम 7 अगस्त 2026 को दोपहर 12:00 बजे से रखा गया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक भाई बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देव बाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक भाई बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631, e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com